सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 170 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 04 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ शासन | छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

बस्तर की यह नई पहचान आने वाली पीढ़ियों के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बनेगी। यह क्षेत्र अब शांति, प्रगति और गौरव की राह पर निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हम कृतज्ञ हैं.....

माँ दंतेश्वरी और जनजातीय नायक वीर गुण्डाधुर की यह धरती छत्तीसगढ़ 31 मार्च 2026 को माओवादी आतंक से मुक्त हुई है। हिंसक माओवादी विचारधारा ने न जाने कितनी माँओं की कोख उजाड़ दी, बहनों का सुहाग और मासूमों के सिर से पिता का साया छीन लिया। देश के लिए लड़ते हुए हजारों जवान शहीद हुए। दशकों से सशस्त्र माओवाद देश के विकास को खोखला करता रहा, वर्ष 2014 में आपके आशीर्वाद से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार आई और दृढ़ संकल्प तथा सुनियोजित रणनीति के माध्यम से माओवादी हिंसा पर कठोर प्रहार किया गया। अनेक राज्य सशस्त्र माओवाद से मुक्त हुए लेकिन हमारी छत्तीसगढ़ महतारी और हमारे पड़ोसी राज्यों में यह नासूर बचा हुआ था। आपने पुनः आशीर्वाद दिया और राज्य में डबल इंजन की सरकार बनाई। पिछले ढाई सालों में आपकी सरकार ने सामूहिक संकल्प के बल पर इस सशस्त्र माओवादी नासूर को नष्ट कर दिया।

हम कृतज्ञ हैं उन शहीद जवानों के प्रति, जिन्होंने अपने प्राणों की आहूति देकर देश को माओवाद से मुक्ति दिलाई। हम कृतज्ञ है हमारे सुरक्षा बल के जवानों के प्रति, जिन्होंने साहस और संकल्प के साथ अपनी जान पर खेलकर माओवाद की जड़ पर कड़ा प्रहार करके उसका समूल नाश किया।

हम कृतज्ञ हैं बस्तर की जनता का, जिन्होंने माओवादी हिंसा को न केवल अस्वीकार किया अपितु उसके विरोध में खड़े हुए। मुझे आपका जज्बा याद आता है जब सशस्त्र माओवादियों द्वारा वोट देने पर ऊंगली काट देने की धमकी दी जाती थी, तब भी आप निर्भय होकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करते थे। आपके मतदान से एक ऐसा नेतृत्व आया जिसने एक दशक के भीतर आंतरिक सुरक्षा के इस सबसे बड़े संकट को समाप्त कर दिया।

हम कृतज्ञ हैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साहसपूर्ण नेतृत्व के प्रति। मुझे याद है वर्ष 2015 में दंतेवाड़ा में उन्होंने अपनी सभा में हथियार उठाने वाले युवाओं से कहा था 'एक प्रयोग कीजिए, पांच दिन हथियार रख दीजिए, उस परिवार के बच्चे के साथ दिन गुजारिए जिसने आपकी वजह से अपने परिजनों को खोया है फिर आप कभी हिंसा के रास्ते में नहीं जाएंगे।'

प्रधानमंत्री जी ने हमेशा हमारा हौसला बढ़ाया, मार्गदर्शन किया है। उनके दृढ़ संकल्प की बदौलत देश माओवादी हिंसा से मुक्त हुआ है। हिमालय जैसी चुनौतियों से निपटने के उनके साहस ने हमें उत्साह से भर दिया और हमने यह असंभव जैसा लक्ष्य प्राप्त किया।

हम कृतज्ञ हैं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के , जो माओवादी नासूर को नष्ट करने के लिए बनायी गई रणनीति के शिल्पी हैं । रायपुर में पत्रकारों की भरी सभा में आपने देश से वायदा किया था कि 31 मार्च 2026 तक माओवाद को समाप्त करेंगे और इसे पूरा किया। आपने माओवादी आतंक को नष्ट करने के लक्ष्य पर नजर टिकाए रखी। हमारा नेतृत्व किया, संसाधन और मार्गदर्शन दिया। हमारे बहादुर जवानों के बीच पहुंचकर उनका हौसला बढ़ाया। आपने गोली का जवाब गोली से और बोली का जवाब बोली से देने का संदेश दिया। माओवादी हिंसा को छोड़कर जो शांति की राह पर लौटे, संविधान को अपनाया, उनका हमने स्वागत किया।

हम कृतज्ञ हैं प्रदेश की जनता के प्रति जो इस सुंदर धरती को सशस्त्र माओवाद से मुक्त कराने के रास्ते में सहभागी बनी, आपने हम पर विश्वास किया। विश्वास कीमती होता है, हमने इसकी रक्षा की है। बस्तर में बच्चे अब निर्भय होकर स्कूल जाएंगे, माताएं-बहनें आजादी की सांस लेंगी और हर तरफ विकास का उजाला फैलेगा।

अब कहीं रेड कॉरिडोर नहीं, हर तरफ ग्रीन कॉरिडोर है।
एक सुखद उज्ज्वल भविष्य की राह पर हम सब सहभागी बन अब आगे बढ़ेंगे।

जय भारत, जय छत्तीसगढ़

आपका **विष्णु देव साय** मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

RO- 47391/101

संपादकीय

बंगाल में अराजकता

संवैधानिक संस्थाओं की अग्निपरीक्षा

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत निर्वाचन नामावलियों के निस्तारण में लगे, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। इन सात बंधक अधिकारियों में तीन महिलाएं भी शामिल थीं जिन्हें नौ घंटे तक बिना खाना-पानी के रोके रखा गया। स्वाभाविक रूप से इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी समेत कई उच्च अधिकारियों का कारण बताओ नोटिस भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। पिछले महीने तक साठ लाख में 47 लाख आपत्तियों का निस्तारण होने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संतुष्टि व्यक्त की है। बहरहाल, इसके बावजूद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया से ही किया जा सकता है। बहरहाल, मालदा का यह घटनाक्रम कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी अग्निपरीक्षा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत तथा चुनाव आयोग ने राज्य में जंगलराज होने की बात कही है। ध्यान रहे कि इससे पहले भी निर्वाचन अधिकारियों से मारपीट व घेराव की घटनाएं सामने आई हैं। जाहिर बात है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कुछ लोगों में असंतोष है। मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों की तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। लेकिन यह तंत्र के प्रति बढ़ते अविश्वास का भी प्रतीक है, जिसके चलते ही घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले चुनाव से पहले कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में इस माह की 23 व 29 अप्रैल को मतदान होना है। ऐसे में मालदा का घटनाक्रम निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए चुनौती दर्शाने वाला है।

> “ पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी समेत कई उच्च अधिकारियों का कारण बताओ नोटिस भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। पिछले महीने तक साठ लाख में 47 लाख आपत्तियों का निस्तारण होने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संतुष्टि व्यक्त की है। बहरहाल, इसके बावजूद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया से ही किया जा सकता है।

बहरहाल, मालदा के कालियाचक में भीड़ द्वारा अभिव्यक्त आक्रोश और न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने का घटनाक्रम यह बताता है कि लोगों में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर व्यापक असंतोष है। यद्यपि कानून व्यवस्था को हाथ में लेना कदापि उचित नहीं कहा जा सकता है, लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा पहले ही घटना का आकलन न कर पाना और समय रहते कार्रवाई न करना, तंत्र की विफलता को ही दर्शाता है। जिसे कानून व्यवस्था की नाकामी ही कहा जा सकता है। जब राज्य में एसआईआर काम में लगे लोगों को पहले से लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा था, तो इस कार्य में लगे न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जानी चाहिए थी। लोगों में उपजे अविश्वास के मद्देनजर इस दिशा में सतर्क पहल जरूरी थी। इसमें दो राय नहीं कि पश्चिम बंगाल में व्यापक पैमाने पर विदेशियों की घुसपैठ की समस्या रही है। ऐसे में एसआईआर प्रक्रिया द्वारा मतदाताओं की पड़ताल राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण विषय है। लेकिन जटिल प्रक्रिया के चलते व जरूरी कागजों के उपलब्ध न होने से कुछ वैध मतदाताओं को अपनी वैधता की पुष्टि के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चिंताओं को भी समझने की जरूरत है। ऐसे मतदाताओं के अविश्वास को भी दूर करने की जरूरत है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया पर शुरू से ही नजर बनाये हुए है। चुनाव आयोग भी दावा कर रहा है कि किसी योग्य मतदाता के साथ अन्याय नहीं होगा। इसी मकसद से ही सुप्रीम कोर्ट ने प्रक्रिया पर निगरानी के मकसद से न्यायिक अधिकारियों की तैनाती की थी। लेकिन विडंबना है कि उन्हें ही आक्रोशित भीड़ ने बंधक बनाया। लेकिन इसके बावजूद सरकारी तंत्र को लोगों के बीच भरोसा कायम करने का प्रयास करना चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि राज्य के राजनीतिक दल इस मुद्दे को लेकर राजनीति करने के बजाय मतदाताओं को तर्कपूर्ण ढंग से स्वतंत्र व पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने के लिये प्रेरित करेंगे। राज्य में स्वतंत्र-निष्पक्ष तथा पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए राजनेताओं का संवेदनशील व्यवहार जरूरी है।

घरवाली-बाहरवाली का त्रास झेलती स्त्री

क्षमा शर्मा

जो माता-पिता न जाने कितने संसाधन लगाकर अपनी बेटियों को पालते हैं, उन्हें पढ़ाते, लिखाते हैं, उनका विवाह करते हैं, उनकी अच्छी गृहस्थी के सपने देखते हैं, यदि वही लड़की इस तरह से जीवन के थपेड़ों को सहने के लिए पति और कानून द्वारा अकेली छोड़ दी जाएगी, तो इन माता-पिता का क्या होगा।

हाल ही में प्रयागराज हाईकोर्ट ने कहा कि एक शादीशुदा पुरुष, किसी अन्य महिला के साथ लिव-इन में रह सकता है। इस तरह रहना कोई अपराध नहीं है। नैतिकता और कानून को अलग रखना होगा। अदालत ने यह भी कहा कि पत्नी अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए, ऐसे आदमी से तलाक और मुआवजा ले सकती है। जबकि प्रयागराज हाईकोर्ट की एक दूसरी बैंच ने निर्णय दिया कि वे उन लिव-इन जोड़ों को सुरक्षा नहीं दे सकते, जो पहले से ही शादीशुदा हैं और जिन्होंने तलाक नहीं लिया है। ऐसे जोड़ों के जीवन में दखल देने का अधिकार भी किसी को नहीं है। लेकिन इसे कानूनी मान्यता तब तक नहीं दी जा सकती, जब तक कि तलाक न हो। वास्तव में, परम स्वतंत्रता जैसी चीज कोई नहीं होती। हां, यदि ऐसे जोड़ों को किसी हिंसा का सामना करना पड़ता है, तो वे पुलिस से सुरक्षा मांग सकते हैं।

इसी तरह का फैसला दिल्ली हाईकोर्ट ने भी दिया था। अदालत ने कहा था कि दो वयस्क अपनी मर्जी से साथी चुन सकते हैं। और साथ रहने का फैसला कर सकते हैं। इन्हें यदि अपने परिवार के लोगों से खतरा है, तो पुलिस सुरक्षा लेने का पूरा अधिकार है।

कानून को देखें तो बिना तलाक लिए इस तरह रहने की इजाजत नहीं होती। इसके अलावा बहुत-सी अदालतों ने इसे पति या पत्नी के अधिकारों का उल्लंघन भी माना है। एक जमाने में भारत में बदचलनी (एडल्टरी) को कानूनन अपराध माना जाता था, लेकिन अब वह अपराध नहीं है। लेकिन इसके आधार पर तलाक मिल सकता है। अक्सर बहुत से सामाजिक मुद्दे कानूनी दांव-पेच में खो जाते हैं।

बहुत से पुरुषों की सोच रहती है कि घर में एक पत्नी है, जो उनके परिवार की जरूरतों और बच्चों के पालन-पोषण के लिए है, लेकिन बाहर घूमने-फिरने, मौज उड़ाने के लिए एक और स्त्री चाहिए। घरवाली बाहरवाली, जैसी फिल्में विगत में सुपरहिट होती रही हैं। मशहूर हिंदी लेखक स्व. जैनेंद्र कुमार ने तो सत्तर के दशक में एक प्रस्थापना ही दे डाली थी कि लेखकों को प्रेरणा पाने के लिए पत्नी के अलावा एक प्रेमिका भी चाहिए। उस समय जैनेंद्र जी के इस कथन पर बहुत विवाद भी हुआ था। कई स्त्रियों ने कहा था कि यदि पत्नियां भी ऐसा ही कहने लगें कि उन्हें भी लिखने के लिए पति के अलावा एक और प्रेमी चाहिए, तो क्या होगा।

यह भी सच है कि दबे-छिपे ऐसा होता भी रहता है। बहुत-सी जगह कानून एक तरफ चलता है, और समाज के दवाब दूसरी तरफ अब भी कई कम्युनिटीज ऐसी हैं, जहां पुरुष कई विवाह कर लेते हैं। कई जगहों पर स्त्रियों को भी यह सुविधा प्राप्त है। यदि हालिया निर्णय के संदर्भ में पढ़ें, शादीशुदा पुरुषों को कानून का सहारा भी मिल जाएगा कि वे किसी और के साथ रह सकें। जो स्त्री किसी की पत्नी है, उसे हमेशा यह डर सताता रहेगा कि कहीं उसका पति किसी और के साथ रहने चला गया, तो उसका क्या होगा। हर स्त्री के पास इतने संसाधन नहीं होते कि वह ऐसे मामले में अदालतों के चक्कर लगा सके और न्याय प्राप्त कर सके। यदि इस स्त्री के बच्चे हैं, तो उनका क्या होगा। पति तो किसी भी तरह की जिम्मेदारी से मुक्त हो गया होगा। और क्या मात्र तलाक मिलने या मुआवजा मिलने से इस तरह से त्यागी गई स्त्रियों का जीवन चल जाएगा।

अकेलेपन और अपमान की उस भावना का क्या, जो इन स्त्रियों को झेलनी पड़ेगी। त्यागना या रिजेक्शन एक ऐसी भावना होती है, जो पल-पल सताती है। आज भी बहुत से पुरुषों के मुंह से ये शब्द आसानी से निकलते हैं कि या तो ये कर, वर्ना तुझे छोड़ दूंगा। जैसे कि किसी स्त्री को छोड़ना उसका मौलिक अधिकार हो। ऐसी रील्स से सोशल मीडिया भरा पड़ा है। कई लोगों को इस बात को बहुत अहंकारपूर्वक कहते भी सुना है कि हां मैं किसी और के साथ रहता हूं। रिलेशनशिप में भी हूं, लेकिन जाकर मेरी पत्नी से पूछो कि क्या उसे किसी तरह की तकलीफ होने देता हूं, पैसे, टके, घर, बार आदि की। बाहर क्या करता हूं, इससे उसे क्या मतलब। इस तरह की वाक्यावली दरअसल स्त्री को यही बताने के लिए होती है कि वह चाहे कुछ भी कर ले, है आज भी दोयम दर्जे की नागरिक।

मणिशंकर अय्यर ने हाल ही में बयान दिया था कि मुसलमानों के मुकाबले हिंदू और सिख पुरुष दो पत्नियां अधिक रखते हैं। सीताराम येचुरी ने तो पूरी किताब ही लिखी थी। इनके विचारों से हम सहमत न हों, लेकिन अय्यर या येचुरी ने जब यह लिखा, तो इसका मतलब यह भी है कि समाज में एक से अधिक पत्नियां या सम्बंध रखने में बहुत से पुरुष आज भी यकीन करते हैं। भले ही समाज या कानून की नजर में इसे अच्छा न माना जाता हो। कई स्त्रियां भी इन दिनों ऐसा करती पाई जाती हैं, लेकिन उनकी संख्या पुरुषों के मुकाबले बहुत कम है, इसीलिए वे खबर भी बनती हैं।

यह भी लगता है कि अब जब अदालत ने पुरुष के शादीशुदा होने पर भी लिव-इन में रहकर दूसरे सम्बंध को रखने की अनुमति दे दी है, तो ऐसे सम्बंधों को बढ़ने से कैसे रोका जा सकेगा।

यह लेखिका बहुत-सी ऐसी साइट्स को देखती हैं जहां स्त्रियां किसी कानून विशेषज्ञ या काउंसलर तक पहुंच के अभाव में, अपनी समस्याओं को लिखती हैं और सहायता मांगती हैं। यदि यहां सौ स्त्रियां हैं, तो उनमें से कम से कम पचानवे की समस्याएं पति को लेकर हैं। उनमें से भी बहुतों की मुसीबत पति की उपेक्षा और दूसरी स्त्री या अनेक स्त्रियों से सम्बंधों को लेकर है।

जब अदालत का यह फैसला आया तो इन्हीं स्त्रियों के बारे में सोचने लगी। अब तक तो इन्हें लगता था कि ऐसे प्रसंगों में कानून उनकी मदद करेगा, लेकिन यह फैसला तो एक तरह से पत्नी को सताने वाले पुरुषों को और ताकत देगा। इस इक्कीसवीं सदी के पच्चीस साल बाद इस तरह की बातें आश्चर्य और दु:ख में जरूर डालती हैं। जो माता-पिता न जाने कितने संसाधन लगाकर अपनी बेटियों को पालते हैं, उन्हें पढ़ाते, लिखाते हैं, उनका विवाह करते हैं, उनकी अच्छी गृहस्थी के सपने देखते हैं, यदि वही लड़की इस तरह से जीवन के थपेड़ों को सहने के लिए पति और कानून द्वारा अकेली छोड़ दी जाएगी, तो इन माता-पिता का क्या होगा। यह लड़की या स्त्री कहां जाएगी। कौन इसे सहारा देगा। क्या सिर्फ मुआवजे के भरोसे पूरा जीवन कट सकेगा।

बीसवीं सदी ने स्त्रियों की समस्या को जिस मानवीयता से देखा था, उनकी बढ़ोतरी के लिए लोकतांत्रिक माध्यमों से जिस तरह के इंतजाम किए गए थे, क्या यह इक्कीसवीं सदी उन सबको सिर के बल खड़ा कर रही है। एक तरफ संसद में स्त्रियों के लिए तैतीस प्रतिशत रिजर्वेशन किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ घरेलू मोर्चे पर कानून द्वारा उन्हें अकेला छोड़ा जा रहा है। माननीय न्यायालय से अपील है कि कम से कम इस फैसले पर दोबारा विचार करे।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पता नहीं आत्मनिर्भर भारत कब बनेगा

अजीत द्विवेदी

दस साल हो गए, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सात फरवरी 2016 को ओडिशा के पारादीप में भारत की सबसे बड़ी पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन यानी आईओसी की एक रिफाइनरी का उद्घाटन करते हुए यह बात कही थी। उन्होंने उस समय एक लक्ष्य भी तय किया था। प्रधानमंत्री ने कहा था कि 2022 तक भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के लिए विदेशी निर्भरता को 10 फीसदी तक कम करेगा। उस समय भारत 80 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता था। आज 10 साल बाद भारत का कच्चे तेल का आयात 85 फीसदी से ज्यादा हो गया है। यानी जहां दस फीसदी आयात कम होना था वहां पांच फीसदी बढ़ गया है। प्रधानमंत्री ने आयात पर निर्भरता 10 फीसदी घटाने के लक्ष्य के साथ साथ यह भी कहा था कि ऊर्जा जरुरतों के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने चार क्षेत्र बताए थे, जहां काम किया जाना था। इसमें इथेनॉल मिश्रण, इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने, नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों को बढ़ाना और तेल, गैस आदि की खोज को प्रोत्साहित करना शामिल था।

सोचें, 10 साल पहले ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात प्रधानमंत्री के मुंह से सुनना कितना अच्छा लगा होगा! उसमें भी तात्कालिक लक्ष्य आयात में 10 फीसदी की कमी का रखा गया था। एक ब्लूप्रिंट भी पेश किया गया। लेकिन 10 साल के बाद देश कहां पहुंचा? आज स्थिति यह है कि भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए दूसरे देशों पर पहले से ज्यादा निर्भर हो गया है। ऐसा नहीं कि सिर्फ तेल के मामले में भारत की निर्भरता बढ़ी है। हकीकत यह है कि जिस नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देकर भारत को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाने का संकल्प किया गया था उनके लिए भी भारत दूसरे देशों पर निर्भर है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देना है पर उसकी लिए बैटरी और दूसरी कई तकनीकी चीजें चीन से आएंगी। इसी तरह नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने का मामला है तो उसके लिए भी सोलर प्लेट्स में लगने वाले कल पुर्जे और दूसरे उपकरण चीन से आएंगे। सोचें, हम तेल के साथ साथ वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के मामले में भी दूसरे देशों पर निर्भर हो गए हैं।

ऐसा नहीं है कि 10 साल में इन क्षेत्रों में कोई काम नहीं हुआ। लेकिन थोड़े से काम होने से तो देश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं बन जाएगा? जब प्रधानमंत्री ने कहा कि तेल आयात में 10 फीसदी की कमी की जाएगी और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देकर भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की ओर बढ़ा जाएगा तो निश्चित रूप से उनके दिमाग में कोई योजना होगी, लंबे समय की कोई प्लानिंग होगी! फिर किसने उनको उस योजना पर काम नहीं करने दिया? ऐसा तो नहीं हो सकता है कि आत्मनिर्भरता की योजना के नाम पर थोड़ा सा उत्पादन बढ़ाने की योजना हो? जब इतनी बड़ी घोषणा की जाती है तो उसे पूरा करने के लिए उतना ही बड़ा प्रयास करना होता है। उस प्रयास में स्पष्ट कमी दिख रही है। ऐसा लग रहा है कि समय समय पर इस तरह की बातें करके प्रधानमंत्री ने लोगों को भरोसा तो दिया कि वे देश की समस्या को समझ रहे हैं और उसका समाधान करना चाहते हैं। लेकिन समाधान की दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया। उन्होंने 2016 के बाद तेल आयात कम करने और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात अनेक बार कही। लेकिन सवाल है कि क्या वे देख नहीं रहे थे कि उनकी बातों या दावों में और देश की वास्तविकता में कितना अंतर है? आज जब संकट देश के सामने आया तो सबका ध्यान इस वास्तविकता की ओर गया है। ईरान में जंग शुरू हुए 12 दिन हुए हैं और भारत में हाहाकार मचा है। भारत सरकार को आवश्यक वस्तु अधिनियम यानी एस्मा लागू करना पड़ा है। हालांकि रसोई गैस का मामला कालाबाजारी का भी है। लेकिन यह भी सही है कि किल्लत बढ़ रही है क्योंकि भारत अपनी एलपीजी की जरुरतों का 80 फीसदी से ज्यादा खाड़ी के देशों से आयात करता है और उसके भंडारण की भी वैसी व्यवस्था देश में नहीं है, जैसी कच्चे तेल के लिए है। इसलिए संकट तो है। तभी देश भर में होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं और सरकार को प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति के नियम बनाने पड़े हैं। सरकार ने घरेलू आवंटन को सौ फीसदी रखने को कहा है लेकिन उद्योगों और व्यावसायिक संस्थाओं के आवंटन में 20 से 30 फीसदी की कटौती हुई है। एलपीजी के अलावा तेल का संकट भी है तभी विमानन कंपनियों ने किराया बढ़ाना शुरू कर दिया है। प्राकृतिक गैस की आपूर्ति कम होने से उर्वरक से लेकर प्लास्टिक उद्योग तक करीब 75 उद्योग हैं, जहां असर हुआ है। उर्वरक के उत्पादन पर असर होगा तो अंतत: उससे खाद्यान्न सुरक्षा भी प्रभावित होगी।

ऊर्जा के क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बढ़ने की घोषणा के 10 साल हुए हैं तो 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के भी छह साल होने जा रहे हैं। कोरोना महामारी के बीच 12 मई 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अभियान की शुरुआत की थी। सरकार की ओर से 20 लाख करोड़ रुपए के एक राहत पैकेज की घोषणा भी हुई थी। हालांकि वह पूरी तरह से क्रेडिट गारंटी की योजना थी। किसी को मदद के तौर पर इसमें से एक रुपया नहीं मिला, बल्कि सबको कर्ज देने की व्यवस्था की गई थी। लेकिन वह अलग कहानी है।

सेहत-पर्यावरण को लील रहे कचरे के ढेर

डॉ. रितु सारस्वत

हमें अपने उपभोग के स्वरूप और जीवनशैली पर गंभीरता से पुनर्विचार की जरूरत है। भोगवादी आर्थिक मॉडल में निर्मित अधिकांश वस्तुएं अंतत: कचरे में बदलती हैं। तेजी से बढ़ता कचरे का संकट निकट भविष्य में पर्यावरण, सेहत और अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की ताज़ा रिपोर्टें संकेत करती हैं कि दुनिया तेजी से कचरे के ऐसे संकट की ओर बढ़ रही है, जो आने वाले दशकों में पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। वर्ष 2022 में दुनिया में लगभग 2.6 अरब टन कचरा उत्पन्न हुआ, जो 2050 तक बढ़कर 3.9 अरब टन तक पहुंचने की आशंका है। इसी क्रम में यूएनईपी की 'फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट' बताती है कि हर वर्ष लगभग 1 अरब टन भोजन बर्बाद होता है, जिसका लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा घरों से आता है। यह स्थिति संसाधनों की भारी बर्बादी व समाज की उपभोग-प्रधान मानसिकता उजागर करती है। कचरे के बढ़ते ढेर केवल अस्वच्छता का प्रतीक नहीं , बल्कि वे पर्यावरण के लिए गंभीर वैज्ञानिक खतरा उत्पन्न करते हैं। विश्व बैंक की 'व्हाट अ वेस्ट' रिपोर्ट और यूएनईपी की 'ग्लोबल वेस्ट मैनेजमेंट आउटलुक' रिपोर्ट स्पष्ट करती हैं कि लैंडफिल में जमे जैविक कचरे के सड़ने से मीथेन गैस निकलती है। यह ग्रीनहाउस गैस वैश्विक तापवृद्धि तेज करती है। इसके अलावा, कचरे के अनुचित निपटान से मिट्टी और भूजल प्रदूषित होते हैं, जिससे कृषि और मानव स्वास्थ्य दोनों प्रभावित होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, खुले में कचरा जलाने से निकलने वाली विषैली गैसें और सूक्ष्म कण गंभीर बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। प्लास्टिक कचरे के विघटन से उत्पन्न सूक्ष्म कण जल स्रोतों में मिलकर खाद्य शृंखला का हिस्सा बन जाते हैं, जो मानव जीवन के लिए खतरा बनते हैं। अहम प्रश्न है कि कचरे के ढेर आखिर किन कारणों से निरंतर बढ़ रहे हैं। इसका उत्तर हमारी उपभोक्तावादी संस्कृति में निहित है, जो निरंतर अधिक से अधिक उपभोग करने के लिए प्रेरित करती है। समाजशास्त्री जिग्मुंट बॉमन के अनुसार, आधुनिक समाज एक 'उपभोक्ता समाज' में परिवर्तित हो चुका है, जहां वस्तुओं का निर्माण दीर्घकालिक उपयोग के लिए नहीं, बल्कि शीघ्र त्याग के लिए किया जाता है। यूएनईपी की 'ग्लोबल वेस्ट मैनेजमेंट आउटलुक 2024' रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि वर्तमान 'उत्पादन-उपभोग-त्याग' आधारित अर्थव्यवस्था में निर्मित अधिकांश वस्तुएं अंतत: कचरे में बदल जाती हैं। यदि यह मॉडल जारी रहा, तो कचरे की मात्रा और उससे जुड़े पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभाव लगातार बढ़ते जाएंगे। विश्व बैंक की 'व्हाट अ वेस्ट' रिपोर्ट यह संकेत देती है कि आर्थिक विकास, शहरीकरण और बढ़ते उपभोग के साथ कचरे की मात्रा में भी निरंतर वृद्धि होती है। इसी प्रकार, यूएनईपी रेखांकित करता है कि वर्तमान अस्थिर उपभोग और उत्पादन की प्रवृत्तियां कचरे के बढ़ते संकट का प्रमुख कारण हैं। 'ग्लोबल वेस्ट मैनेजमेंट आउटलुक' रिपोर्ट में रेखांकित किया गया है कि टिकाऊ समाधान के रूप में पुन: उपयोग, मरम्मत और पुनर्चक्रण जैसी प्रक्रियाओं को अपनाना आवश्यक है।

जहां पारंपरिक समाजों में वस्तुओं का उपयोग अधिक टिकाऊ और पुन: उपयोग पर आधारित था, वहीं आधुनिक उपभोग-प्रधान जीवनशैली ने इस संतुलन को समाप्त कर दिया। विश्व स्तर पर सीमित और सजग उपभोग को बढ़ावा देने के लिए कई संगठित प्रयास किए गए हैं। 'जीरो वेस्ट' आंदोलन, जिसे 21वीं सदी के प्रारंभ में संस्थागत रूप मिला, इस विचार को स्थापित करता है कि कचरे को न्यूनतम स्तर तक लाया जा सकता है। वहीं, वर्ष 2011 में ऑस्ट्रेलिया से शुरू हुआ 'प्लास्टिक फ्री जुलाई' अभियान आज वैश्विक स्तर पर लोगों को सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से दूरी बनाने को प्रेरित कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2022 में 'इंटरनेशनल जीरो वेस्ट डे' की घोषणा दर्शाती है कि यह विषय अब वैश्विक प्राथमिकता है। इन आंदोलनों ने इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई लेकिन केवल आंदोलनों के जरिये इस समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। इसके प्रभावी नियंत्रण के लिए हमें अपनी जीवनशैली और उपभोग के तरीकों में परिवर्तन लाना होगा।

वास्तव में, यह समस्या बाहर से अधिक भीतर से जुड़ी हुई है। हम कैसे जीते हैं, क्या खरीदते हैं और कितना त्याग करते हैं। ऐसे में आवश्यक है कि हम ऐसे जीवन मूल्यों को अपनाएं, जो संतुलन और संयम पर आधारित हों। समझना होगा कि अत्यधिक उपभोग केवल तात्कालिक सुविधा प्रदान करता है, जबकि दीर्घकाल में यह पर्यावरणीय असंतुलन और संसाधनों के क्षय का कारण बनता है। जापान जैसे देश यह उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि सादगी, अनुशासन और संतुलित जीवनशैली भी एक समृद्ध और सम्मानित समाज की पहचान हो सकती है। जापानी जीवनशैली का न्यूनतावादी दृष्टिकोण एक महत्वपूर्ण दिशा प्रस्तुत करता है। मैरी कोंडो की पुस्तक 'द लाइफ-चेंजिंग मैजिक ऑफ टाइडिंग अप' के मुताबिक, व्यक्ति को केवल उन्हीं वस्तुओं को पास रखना चाहिए, जो वास्तव में आवश्यक हों। यह दृष्टिकोण अनावश्यक संग्रह की प्रवृत्ति को सीमित कर कचरे की समस्या को कम करने में सहायक होगा।

1980 में प्रकाशित विलियम आर. कैटन की पुस्तक 'ओवरशूट : द इकोलॉजिकल बेसिस ऑफ रिवोल्यूशनरी चेंज' चेताती है कि मानव समाज पृथ्वी की वहन क्षमता से अधिक संसाधनों का उपभोग कर रहा है। इस प्रवृत्ति को नहीं रोका गया, तो यह भविष्य में गंभीर पारिस्थितिक संकट का कारण बनेगी। यह चेतावनी केवल भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि एक संभावित वास्तविकता की ओर संकेत करती है।

देखो ल्यारी की क्या है तैयारी

ल्यारी वाले कह रहे हैं कि देखो जी, यह धुरंधर ल्यारी पर है, तो इसमें हमारा भी तो कुछ बनता है न। अब हमारी सरकार तो हमारे लिए कुछ करती नहीं तो हमें आप बस पांच सौ करोड़ दे दो। धुरंधर के हिट होने का एक साइड इफेक्ट यह हुआ है जी कि ल्यारी वालों ने इसकी कमाई में से अपना हिस्सा मांग लिया है। कहते हैं इस फिल्म ने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए पंद्रह सौ करोड़ रुपये कमा लिए। ल्यारी वाले कह रहे हैं कि देखो जी, यह फिल्म ल्यारी पर है, तो इसमें हमारा भी तो कुछ बनता है न। अब हमारी सरकार तो हमारे लिए कुछ करती नहीं तो हमें आप बस पांच सौ करोड़ दे दो। इससे हम यहां सड़कें, स्कूल, अस्पताल वगैरह बनवा लेंगे। हमारा भी विकास हो जाएगा। बंटवारे के वक्त पाकिस्तान ने भारत से पचपन करोड़ रुपये मांगे थे। इसके लिए भाजपा वाले आज तक गांधी नेहरू को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

अगर धुरंधर वालों ने यह पांच सौ करोड़ ल्यारी वालों को दे दिए तो पता नहीं यह किस्सा कितने दिनों तक गाया जाएगा। वास्तव में दोष ल्यारी वालों का भी नहीं है जी। असल में जब कश्मीर फाइल्स हिट हो गयी थी तो जलकुकड़े विवेक अग्निहोत्री के पीछे पड़ गए कि जिन कश्मीरी पंडितों की पीड़ा को बेचकर तुमने चार-पांच सौ करोड़ रुपये कमाए, उसका एक हिस्सा उनकी भलाई के लिए भी लगा देते। अग्निहोत्री ने यह तो नहीं कहा कि मैंने कोई धर्मादा थोड़े खोल रखा है। लेकिन उन्होंने फिल्म की कमाई का एक धेला भी पंडितों पर नहीं लगाया। खतरा एक बार फिर सामने है अगर धुरंधर वालों ने ल्यारी वालों की बात मान ली तो लोग एक बार फिर से विवक अग्निहोत्री के पीछे पड़ जाएंगे कि जब ल्यारी वालों की भलाई के लिए धुरंधर वाले अपनी कमाई का एक हिस्सा दे सकते हैं तो तुम्हें भी देना ही चाहिए। वैसे भी यह समस्या विवेक अग्निहोत्री के ही सामने आने वाली है। क्योंकि बाकी किसी की पीड़ा दिखाने से तो पैसा मिला नहीं। इधर बंगाल फाइल्स पिट गयी। खुद बंगालियों ने बंगालियों की पीड़ा को नहीं खरीदा। उधर केरल फाइल्स पिट गयी। खुद मलयालियों ने मलयालियों की पीड़ा को नहीं खरीदा। रही उदयपुर फाइल्स तो उसे बनाने वाले तो माथा पीटकर ही गए हैं। असल में इस तरह की फाइल्स बनाने वालों को लगता है कि जैसे किसी मंदिर के सामने अपने बजबजाते हुए घाव दिखाकर भिखारी कमाई कर लेते हैं वैसे ही हम भी कमा लेंगे।

खैर जी, पाकिस्तान को तो पचपन करोड़ रुपये मिल गए थे, भले ही गांधी-नेहरू को आज तक भाजपा वालों की गालियां खानी पड़ रही हों पर ल्यारी वालों को पांच करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद नहीं रखनी चाहिए क्योंकि विवेक अग्निहोत्री ने अगर कश्मीर पंडितों पर अपनी कमाई का धेला भी खर्च किया हो तो धुरंधर वाले ल्यारी वालों पर अपनी कमाई का कोई धेला खर्च करें। वैसे भी ल्यारी वाले तो पराए हैं, पर पंडित तो अपने ही थे। नहीं क्या?

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 170 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 04 अप्रैल 2026 | पेज-3

खास-खबर

सांसद पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला युवक गिरफ्तार

भिलाई। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र से सांसद विजय बघेल के खिलाफ आपत्तिजनक इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करने और अभद्र टिप्पणी करने वाले आरोपी को पाटन पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, गौरव वर्मा ग्राम पूंढा निवासी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो अपलोड की। जिसमें उसने सांसद विजय बघेल और रायपुर एम्स की प्रबंधन व्यवस्था को लेकर बेहद आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाली भाषा का उपयोग किया था। वीडियो में युवक ने एम्स में ओपीडी और इलाज की सुविधाओं पर सवाल उठाते हुए सांसद के प्रति व्यक्तिगत और अमर्यादित टिप्पणियां की। मामला सामने आते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जांच शुरू की। और आरोपी की पहचान गौरव वर्मा के रूप में होने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 353 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

कांकेर-नारायणपुर सीमा पर 2 आईईडी बरामद, सुरक्षाबलों ने निष्क्रिय किए

कांकेर। कांकेर-नारायणपुर सीमा पर सुरक्षाबलों ने कार्रवाई करते हुए दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस बरामद किए। मौके पर ही सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज किया गया और नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम किया गया। यह सफलता कांकेर पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त टीम को थाना परतापुर क्षेत्र अंतर्गत मुरूसुलनापा के जंगल-पहाड़ी इलाके में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान मिली। जवानों को नक्सलियों की ओर से पहले से लगाए गए दो प्रेशर कुकर आईईडी मिले। हर आईईडी का वजन लगभग 5 किलोग्राम बताया गया है। बरामद किए गए इन शक्तिशाली विस्फोटकों को बीएसएफ की बम निरोधक दस्ता टीम ने तुरंत मौके पर ही डिफ्यूज कर निष्क्रिय कर दिया।

कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू बहाल, धमधा में पोस्टिंग

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अफीम की खेती के मामले में निलंबित ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू को राहत मिल गई है। कृषि विभाग ने मानवीय आधार पर उनका निलंबन वापस लेते हुए उन्हें बहाल कर दिया है। बहाली के साथ ही एकता साहू की नई पदस्थापना धमधा में की गई है। हालांकि राहत मिलने के बावजूद उनकी मुश्किलें पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं, क्योंकि उनके खिलाफ विभागीय जांच अभी भी जारी रहेगी। मामला समोदा गांव का है, जहां भाजपा नेता विनायक ताम्रकार के खेत में अवैध रूप से अफीम की खेती पकड़ी गई थी। जांच के दौरान लापरवाही पाए जाने पर जिला प्रशासन ने 13 मार्च को एकता साहू को निलंबित कर दिया था।

बिलासपुर रेलवे जोन कोयला परिवहन में देश में अव्वल: माल लदान में 3 प्रतिशत बढ़ोत्तरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में माल लदान और राजस्व अर्जन में कई कीर्तिमान स्थापित किए। जोन के जीएम तरुण प्रकाश ने बताया कि इस अवधि में 261.25 मिलियन टन माल का लदान किया गया, जिससे 32 हजार करोड़ रुपए का राजस्व मिला।

बिलासपुर जोन के जीएम तरुण प्रकाश ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में माल लदान के आंकड़े बताए

जीएम ने बताया कि माल लदान में पिछले साल की तुलना में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो संभवत: भारतीय रेलवे में सर्वाधिक है। इस उपलब्धि के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारतीय रेल में माल लदान में दूसरे स्थान पर रहा। विशेष रूप से कोयला परिवहन में जोन ने 199.50 मिलियन टन का राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करते हुए देश में पहला स्थान प्राप्त किया, जिससे ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिली है। बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी जोन ने महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इस साल 125 किलोमीटर नई लाइन और मल्टी-ट्रैकिंग का काम पूरा किया गया। इसके अलावा 18 रोड ओवर ब्रिज और 27 का निर्माण किया गया, जबकि 34 लेवल क्रॉसिंग गेट बंद कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया।

50 स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर

जीएम ने बताया कि 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में 18 प्रतिशत अधिक यात्री ट्रेनें चलाई गईं, जिनके माध्यम से कुल 8.3 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग सहित 50 स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। पहले चरण के 47 स्टेशनों में से 17 का काम पूरा हो चुका है, और दिसंबर तक सभी फेज-1 के निर्माण कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

केलो जैविक जंवाफूल चावल को मिली राष्ट्रीय पहचान, देशभर में बढ़ रही मांग

लैलूंगा में जंवाफूल की खेती को 2000 एकड़ तक करने का लक्ष्य, किसानों की बढ़ रही आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ जिले के लैलूंगा क्षेत्र का 'केलो' जैविक जंवाफूल चावल आज अपनी विशिष्ट सुगंध, स्वाद और उत्कृष्ट गुणवत्ता के कारण एक अलग पहचान स्थापित कर चुका है। यह स्थानीय स्तर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। किसानों द्वारा अपनाई जा रही जैविक पद्धति और बेहतर विपणन व्यवस्था के कारण इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और कृषि मंत्री राम विचार नेताम के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों का आय दुगुनी करने निरंतर प्रयास कर रही है। सरकार किसानों को सशक्त बनाने में जनहितकारी नीति

बनाने के साथ ही किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं इनमें कृषि उन्नति योजना, भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना जैसे योजना शामिल हैं। इससे प्रदेश के किसान आर्थिक रूप से मजबूत हुए हैं।

बेंगलुरु से कारगिल तक पहुंच रहा सुगंधित चावल

केलो जैविक जंवाफूल चावल की मांग अब छत्तीसगढ़ से बाहर भी तेजी से बढ़ रही है। बेंगलुरु, चेन्नई, तेलंगाना, लद्दाख और कारगिल जैसे क्षेत्रों में इसकी अच्छी मांग है। वर्तमान में इसका बाजार मूल्य लगभग 150 रुपये प्रति किलो है।वहीं बीज भी किसानों को 70 रुपए प्रति किलो उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे किसान इसकी खेती की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

प्राकृतिक सुगंध और स्वाद इसकी खासियत

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जंवाफूल धान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्राकृतिक सुगंध और स्वाद है, जो लैलूंगा क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु में ही पूर्ण रूप से विकसित हो पाती है। यहां की भौगोलिक परिस्थितियां-दिन में पर्याप्त गर्मी और रात में हल्की ठंडक, इस धान की गुणवत्ता को विशेष बनाती हैं। यही कारण है कि इस क्षेत्र में उत्पादित चावल का स्वाद और खुशबू अलग पहचान रखता है और उपभोक्ताओं के बीच इसकी मांग निरंतर बढ़ रही है।

सरकार का फसल को बढ़ावा देने का प्रयास

कृषि विभाग द्वारा इस फसल को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही किसान समूहों और एफपीओ के माध्यम से उत्पादन और विपणन को संगठित किया जा रहा है। पिछले वर्ष लगभग 700 एकड़ में इसकी खेती की गई थी, वहीं इस वर्ष इसे बढ़ाकर 2000 एकड़ तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे अधिक से अधिक किसान इस लाभकारी फसल से जुड़ सकें।

महिला फंदे पर झूली : ससुराल व मायके वालों के बीच चले लात-घूंसे

रायपुर के नवकार हॉस्पिटल में विवाद, दो थानों की फोर्स पहुंची

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित नवकार हॉस्पिटल में शुक्रवार को महिला के इलाज के दौरान उसके मायके और ससुराल पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और धक्का-मुक्की शुरू हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही दो थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।

दरअसल महिला फांसी के फंदे पर लटक गई थी, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसी दौरान ससुराल और मायके पक्ष के बीच विवाद हो गया। मायके पक्ष ने इसे प्लानिंग के तहत हत्या की कोशिश बताया है। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के मुताबिक शिव नगर (संतोषी नगर) निवासी यास्मीन परवीन ने गुरुवार रात अपने घर में फांसी लगाकर सुसाइड की कोशिश की थी। परिजन गंभीर हालत में उसे नवकार हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार महिला की हालत नाजुक बनी हुई है।

शुक्रवार को इलाज के दौरान जब डॉक्टरों ने परिजनों को बताया कि महिला के बचने की संभावना कम है, तब ससुराल पक्ष के लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। इसी दौरान मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद विवाद मारपीट में बदल गया। अस्पताल परिसर में कुछ देर तक तनाव का माहौल बना रहा।

डॉल्फिन ज्वेलो अपार्टमेंट की लिफ्ट में लगी आग, भनपुरी में तंबाखू गोदाम भी खाक

श्रीकंचनथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के खमतराई थाना क्षेत्र स्थित डॉल्फिन ज्वेलो अपार्टमेंट में शनिवार को अचानक आग लग गई। यह आग अपार्टमेंट की लिफ्ट में लगी। जिससे धुआं तेजी से पूरे परिसर में फैल गया। घटना के समय कई लोग अपने घरों में मौजूद थे। लेकिन समय रहते सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जिससे बड़ा हादसा टल गया। वहीं, भनपुरी स्थित तंबाखू गोदाम में आग लग गई। कचड़ा जलाने की वजह से कई सालों से बंद गोदाम में आग भड़क उठी।

सूचना मिलने पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, डॉल्फिन ज्वेलो अपार्टमेंट के लिफ्ट से पहले धुआं निकलता दिखाई दिया, जिसके बाद

कुछ ही देर में आग भड़क उठी। सिक्योरिटी गार्ड ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए कॉलोनीवासियों को अलर्ट किया और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। गार्ड और रहवासियों ने मिलकर फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग पर काबू पाया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग काफी हद तक नियंत्रित की जा चुकी थी।

रायपुर पहुंचे विदेश मंत्री, आईआईएम के दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विदेश मंत्री एस जयशंकर शनिवार सुबह रायपुर पहुंचे। वे नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान के 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में विदेश मंत्री स्टूडेंट्स को सफलता के टिप्स दिए। इस दौरान उन्होंने मैनेजमेंट, लीडरशिप, वैश्विक परिप्रेक्ष्य और करियर से जुड़े टिप्स दिए। कार्यक्रम में सफल छात्रों को डिग्री और मेडल दिया गया।

इससे पहले रायपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर विदेश मंत्री का स्वागत शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया।

इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और संस्थान के प्रतिनिधियों ने भी उनका अभिनंदन किया। स्वागत के बाद वे सीधे एयरपोर्ट से नवा रायपुर स्थित आईआईएम परिसर के लिए रवाना हो गए। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद विदेश मंत्री वापस लौट गए।

इंसानी पंजे से भी बड़ी हो गई थी किडनी, हाइटेक अस्पताल में हुई सर्जरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हाइटेक सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल में 40 वर्षीय महिला की नष्ट हो चुकी किडनी को निकालने की सर्जरी सफलता पूर्वक कर दी गई। पेशाब की नली में रुकावट के कारण उसकी किडनी सूजकर हथेली से भी बड़ी हो चुकी थी। मरीज को हायर सेन्टर रिफर करते हुए हाइटेक भेजा गया था।

हाइटेक के यूरोसर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ नवीन कुमार वैष्णव ने बताया कि महिला को काफी समय से उदर और पीठ के दाएं हिस्से में दर्द था। कुछ दिन पहले से उसके लिए भोजन करना तक मुश्किल हो गया था। कुछ खाते ही उल्टी हो जाती थी। महिला की पहले किडनी स्टोन के लिए सर्जरी हो चुकी थी। उसने इस बार भी वहीं दिखाया था जहां से उसे हाइटेक रिफर कर दिया गया।

जांच के दौरान पता चला कि पिछली सर्जरी के बाद उसकी दाहिनी मूत्र नली तरह पूरी तरह से सिकुड़ गई थी। किडनी में सूजन आ चुका था। मरीज को राहत देने के लिए इसे निकाल दिया जाना ही एकमात्र उपाय था। हाइटेक में मरीज को पहले रक्त चढ़ाया गया। इसके बाद उसकी सर्जरी कर दी गई। यह एक बड़ी सर्जरी थी जिसमें हाइटेक की पूरी सर्जिकल टीम, विशेषकर निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ नरेश देशमुख, श्री डोमन एवं डिगेश्वरी ने कड़ी मेहनत की तथा अपनी उपयोगिता सिद्ध की। मरीज जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

दर्दनाक हादसा : समारोह से लौट रहे परिवार की कार कुएं में गिरी, 6 बच्चों सहित 9 की मौत

शुक्रवार देर रात हादसा, आधी रात तक चला रेस्क्यू

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में शुक्रवार देर रात एक समारोह से लौट रहा परिवार हादसे का शिकार हो गया। पूरा परिवार कार सहित कुएं में गिर गया। इस हादसे में कार में सवार परिवार के सभी 9 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 6 बच्चे भी शामिल हैं। आधी रात तक रेस्क्यू हुआ और शनिवार को पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी कस्बे के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। परिवार के सभी सदस्य एक समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार अनियंत्रित होकर पास के

एक कुएं में जा गिरी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं। राहत-बचाव अभियान के तहत दो क्रेन और तैराकों की मदद से आधी रात के आसपास कार और उसमें सवार सभी लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी।

पुलिस कर रही जांच

पुलिस ने बताया कि सभी मृतक डिंडोरी तालुका के इंदोरे गांव निवासी दरगुड़े परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान सुनील दत्तू दरगुड़े (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुड़े (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है। बच्चों में पांच लड़कियां (उम्र 7 से 14 वर्ष) और एक 11 वर्षीय लड़का शामिल है। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए डिंडोरी के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

प्रमुख खबरें

दुर्ग कांग्रेस भवन में हुआ सुंदरकांड पाठ का आयोजन, भक्तिमय हुआ माहौल

दुर्ग। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग शहर द्वारा आज राजीव भवन, दुर्ग में सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन एवं संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक माहौल में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, कांग्रेसजनों एवं नगरवासियों ने सहभागिता कर प्रभु श्रीराम और बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्वान पंडितों एवं भजन मंडलियों द्वारा सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ किया गया। पाठ के दौरान उपस्थित श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ भक्ति रस में डूबे नजर आए। भगवान श्रीराम, माता सीता एवं संकटमोचन हनुमान जी की आराधना के बीच संकीर्तन में प्रस्तुत भजनों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम के समापन पर भंडारे एवं प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर दुर्ग कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि हनुमान जन्मोत्सव केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि शक्ति, सेवा, समर्पण और धर्म के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है। सुंदरकांड पाठ और संकीर्तन के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा, भाईचारा और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। बाकलीवाल ने भक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने माता शबरी को नौ प्रकार की भक्ति का मार्ग बताया था। उन्होंने संत संग, कथा श्रवण, गुरु सेवा, प्रभु गुणगान, मंत्र जाप, सदाचार को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

एचपीवी टीकाकरण अभियान 6 अप्रैल से

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में जिले में बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। आगामी 06 अप्रैल 2026 से जिले के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में एचपीवी टीकाकरण उपलब्ध रहेगा। इस संबंध में जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टाफ नर्सों को आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सर्वाधिक होने वाला कैंसर सर्वाइकल कैंसर है, जिससे बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अत्यंत प्रभावी है। यह वैक्सीन बालिकाओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के संक्रमण से बचाकर भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में सहायक होगी।

जल संरक्षण की दिशा में दुर्ग जिले की बड़ी उपलब्धि

मोर गांव मोर पानी महाभियान बना जन आंदोलन 32058 वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में जल संरक्षण की दिशा में संचालित मोर गांव मोर पानी महाभियान ने जन आंदोलन का रूप ले लिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित आवासों में मात्र 15 दिनों के भीतर 32 हजार 058 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर दुर्ग जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अभियान के माध्यम से भूजल स्तर सुधारने की दिशा में बड़ी पहल सफल रही है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग दुबे के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के अंतर्गत एकेच गोठ, एकेच बानी, बूंद-बूंद बचाबो पानी 2.0 अभियान की शुरुआत 13 मार्च 2025 को की गई थी। अभियान के प्रथम चरण में प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों के घरों में मात्र दो घंटे के भीतर 1764 सोक पीट का निर्माण कर गोल्डन बुक में नाम दर्ज कराया गया।

द्वितीय चरण में 08 दिसम्बर को 12 हजार 418 सोक पीट का निर्माण किया गया, जिससे कुल 14 हजार 182 सोक पीट का निर्माण स्वप्रेरणा से किया गया। इसके साथ ही मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत 23 हजार 889 कंटूर ट्रेंच एवं वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच का निर्माण भी पूर्ण किया गया है। मनरेगा के माध्यम से जल संचय कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए अब तक 32 हजार 058 संरचनाओं की एंट्री पोर्टल पर की जा चुकी है। इस अभियान में ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया, जिससे यह अभियान जन आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। प्रत्येक प्रधानमंत्री आवास में निर्मित रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं से न केवल वर्तमान की जल आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि भविष्य के लिए भी जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

अभियान के तहत विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिसमें कम खर्च वाले 24 कार्य, 15 बोरवेल रिचार्ज, 03 चेकडेम, 5875 कंटूर ट्रेंच, 07 गली प्लग, 03 नाला बंड, 18 ओपन वेल रिचार्ज (डगवेल), 07 परक्यूलेशन तालाब, 537 रिचार्ज पीट, 05 रिचार्ज शाफ्ट, 817 रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, 6676 सोक पीट, 09 टैंक, 48 विलेज पॉण्ड तथा 18014 वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच कार्य शामिल हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण कर भूजल स्तर में सुधार और स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घरों और गांवों में अधिक से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाकर इस महाभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं, जिससे हर घर जल संचय के लक्ष्य को साकार किया जा सके।

संयंत्र की प्लेट मिल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में रचा इतिहास, रिकॉर्ड प्रदर्शन से स्थापित किए नए मानक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की प्लेट मिल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की। वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्पादन, डिस्पैच तथा परिचालन दक्षता के विभिन्न प्रमुख मानकों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज कर प्लेट मिल ने संयंत्र की समग्र उत्पादन क्षमता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

वार्षिक प्रदर्शन के अंतर्गत प्लेट मिल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 6,37,118 टन का अब तक का सर्वाधिक डायरेक्ट डिस्पैच हासिल किया, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 के 5,97,455 टन के पिछले रिकॉर्ड को पार करता है। यह उपलब्धि परिचालन उत्कृष्टता, प्रभावी समन्वय तथा टीम वर्क का सशक्त उदाहरण है।

मार्च 2026 के दौरान प्लेट मिल ने 1,46,554 टन रोल्ड एवं फिनिश्ड प्लेट्स का अब तक का सर्वाधिक उत्पादन दर्ज किया, जो इससे पूर्व मार्च 2014 में प्राप्त 1,39,538 टन के रिकॉर्ड से अधिक है। इसी क्रम में कुल फिनिश्ड प्लेट्स उत्पादन में भी 1,34,042 टन के नया रिकॉर्ड बना, जिसने मार्च 2014 के 1,26,920 टन के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

डिस्पैच के क्षेत्र में भी प्लेट मिल ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए मार्च 2026 में 1,36,020 टन का सर्वाधिक मासिक कुल डिस्पैच दर्ज किया, जो मार्च 2011 के 1,28,445 टन के पिछले रिकॉर्ड से अधिक है। लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई, जहाँ सड़क मार्ग से डिस्पैच 16,368 टन तक पहुँच गया, जो फरवरी 2026 के 12,174 टन के पूर्व उच्चतम स्तर से कहीं अधिक है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर संयंत्र के वरिष्ठ प्रबंधन ने प्लेट मिल के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संबंधित हितधारकों को हार्दिक बधाई दी तथा उनके समर्पण एवं उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह उपलब्धियाँ भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा का कार्य करेंगी तथा संयंत्र को नई सफलताओं की ओर अग्रसर करेंगी।

राकेश कुमार चौकसे ने देहदान नेत्रदान एवं त्वचादान का संकल्प लिया

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। बीएसपी से सेवानिवृत्त राकेश कुमार चौकसे ने देहदान, नेत्रदान एवं त्वचादान का संकल्प पत्र भरकर अपनी वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों को सौंपी। इस अवसर पर उनकी पत्नी श्रीमती पुष्पलता चौकसे ने उनके इस निर्णय सहमति प्रदान की एवं साक्षी बनीं।नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों ने श्री चौकसे के इस सराहनीय निर्णय की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राकेश कुमार चौकसे ने बताया कि उनकी कई वर्षों से यह इच्छा थी कि उनके निधन के बाद उनका शरीर समाज के कल्याण के लिए उपयोगी हो। नवदृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से आज उनकी यह इच्छा पूर्ण हुई। उन्होंने कहा कि उनके देहदान से मेडिकल छात्रों को अध्ययन एवं शोध कार्य में सहायता मिलेगी, साथ ही उनके नेत्रदान से दो व्यक्तियों को नेत्रज्योति प्राप्त होगी तथा त्वचादान से सेक्टर-9 अस्पताल के मरीजों को लाभ मिल सकेगा।

सपन जैन ने कहा कि राकेश कुमार चौकसे बीएसपी से सेवानिवृत्त हैं, अत: उनके इस निर्णय का बीएसपी के कर्मियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उनके इस कदम से समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा और अधिक लोग देहदान,त्वचादान एवं नेत्रदान के लिए प्रेरित होंगे।

नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य उज्ज्वल पींचा ने बताया कि संस्था लगातार नेत्रदान, देहदान एवं रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

मुख्य बाजारों में अतिक्रमण पर सख्ती

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम।नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में इंदिरा मार्केट, पटवा लाइन सहित अन्य प्रमुख बाजार क्षेत्रों में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में निगम की अतिक्रमण टीम द्वारा बाजार क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनेक दुकानदारों द्वारा अपने दुकान का सामान दुकान के बाहर नाली के ऊपर एवं सड़कों पर अव्यवस्थित रूप से रखे जाने की स्थिति पाई गई, जिससे आम नागरिकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। निगम प्रशासन द्वारा सभी संबंधित दुकानदारों को सख्त चेतावनी देते हुए निर्देशित किया गया कि वे अपना समस्त सामान अपने-अपने दुकानों के अंदर ही रखें तथा किसी भी प्रकार से सड़क, नाली अथवा सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें। साथ ही दुकान के बाहर अनधिकृत रूप से साइन बोर्ड लगाने पर भी प्रतिबंध लगाने की बात कही गई। अतिक्रमण अधिकारी ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि यदि आगामी निरीक्षण के दौरान किसी भी दुकान का सामान सड़क या नाली पर रखा हुआ पाया जाता है, तो संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध जब्ती की कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम दुर्ग द्वारा यह अभियान शहर में सुगम यातायात, स्वच्छता व्यवस्था एवं आमजन की सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार जारी रहेगा।

संतराबाड़ी में डोमशेड का लोकार्पण एवं पद्मनाभपुर में भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर दुर्ग शहर को विकास कार्यों की एक महत्वपूर्ण सौगात प्राप्त हुई है। दुर्ग शहर के वार्ड क्रमांक 25 संतराबाड़ी में नवनिर्मित डोमशेड का लोकार्पण किया गया, वहीं वार्ड क्रमांक 46 पद्मनाभपुर में डोमशेड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन सम्पन्न हुआ। दुर्ग शहर विधायक एवं केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव निरंतर शहर के सर्वांगीण विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में जनसुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

वार्ड क्रमांक 25 संतराबाड़ी स्थित गायत्री मंदिर परिसर में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने सहभागिता करते हुए वेदमाता गायत्री के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किये। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों से आत्मीय संवाद किये और उनकी आवश्यकताओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुने। मंत्री श्री यादव ने कहा कि यह भव्य डोमशेड क्षेत्र के धार्मिक एवं सामाजिक जीवन को नई दिशा देगा। अब यहां विवाह, धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक कार्यक्रम एवं अन्य सामुदायिक आयोजन सुव्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण में आयोजित किए जा सकेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि शासन की मंशा केवल निर्माण कार्य तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधा, सुरक्षा और सुगमता प्रदान करना है। डोमशेड निर्माण से न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, बल्कि स्थानीय नागरिकों को भी विभिन्न आयोजनों के लिए एक स्थायी एवं संरक्षित स्थल उपलब्ध होगा। यह कार्य क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 46 पद्मनाभपुर में प्रस्तावित डोमशेड निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम में भी मंत्री श्री यादव शामिल हुए। भूमि पूजन विधि-विधान के साथ सम्पन्न किया गया। यह कार्य लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग रही थी, जिसके पूर्ण होने से स्थानीय नागरिकों में विशेष उत्साह और संतोष का वातावरण है। मंत्री श्री यादव ने कहा कि इस डोमशेड के निर्माण से क्षेत्र में धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नया मंच मिलेगा और स्थानीय स्तर पर सामुदायिक सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री यादव ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य एवं सामुदायिक संरचनाओं के विकास के माध्यम से नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का सतत प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आने वाले समय में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ विकास कार्यों को गति दी जाएगी और दुर्ग शहर को एक आदर्श एवं सुव्यवस्थित शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, पार्षद मनीषा सोनी, संजय अग्रवाल, मनीष कोठारी, गुलशन साहू, धीरजलाल टांक, एसपी सिंह, आर.डी. महिलांग, अभय सोनी, राकेश झा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बीआरएम में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का समापन व्यवहारिक सुरक्षा एवं सहभागिता पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) विभाग में मार्च के अंतिम सप्ताह में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह आयोजित किया गया। सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम) एवं विभागाध्यक्ष योगेश शास्त्री द्वारा किया गया एवं समापन समारोह के अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक डी. सतपथी एवं मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस सुरक्षा जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का प्रारंभ सामूहिक सुरक्षा शपथ के साथ हुआ, जिसके माध्यम से सभी कर्मियों ने सुरक्षित कार्य व्यवहार को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर ठेका कर्मी श्रीमती भानबाई द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात विभागीय सुरक्षा अधिकारी शशांक शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का सुरक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विभाग में संचालित विभिन्न सुरक्षा पहलों एवं उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री ने सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट कहा कि सुरक्षा से समझौता करके एक टन का भी उत्पादन स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सुरक्षा को अपनी कार्यशैली एवं जीवनशैली में आत्मसात करने का आह्वान किया।

सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें संविदा श्रमिकों एवं बीएसपी कर्मचारियों हेतु भी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीँ अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन यंत्रों का सजीव प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे श्रमिक आपात स्थिति में प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

इस दौरान राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सलाहकार बोर्ड (एनओएचएससी) के दिनेश ग्वाल द्वारा प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में टूल बॉक्स टॉक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रमिकों ने व्यावहारिक रूप से सुरक्षित कार्य प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में सुरक्षा पोस्टर, स्लोगन एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों ने रचनात्मक माध्यमों से सुरक्षा का संदेश प्रसारित किया। अतिथियों ने प्रदर्शित सुरक्षा पोस्टरों, स्लोगनों एवं रंगोलियों का अवलोकन कर प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

सड़क चौड़ीकरण के दो बड़े प्रोजेक्ट मंजूर

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। महापौर अल्का बाघमार ने बताया कि 01 अप्रैल 2026,छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने दुर्ग शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सड़क चौड़ीकरण के दो बड़े कार्यों के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि ये दोनों कार्य मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधान में शामिल हैं, जिनसे शहर के यातायात और विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उरला मुख्य मार्ग से प्रस्तावित एस.टी.पी. (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) तक सड़क चौड़ीकरण कार्य के लिए कुल 297.04 लाख रुपये (लगभग 2.97 करोड़) की स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना में कंसल्टेंसी शुल्क 2.93 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। यह मार्ग शहर के महत्वपूर्ण हिस्सों को जोड़ता है, जिससे इस सड़क के चौड़ीकरण के बाद यातायात का दबाव कम होगा और आवागमन सुगम होगा। उन्होंने कहा कि वहीं दूसरी और अधिक व्यापक परियोजना के तहत गुण्डस्देही रोड से गौठान, प्रधानमंत्री आवास (ए.एच.पी.) कॉलोनी, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय होते हुए पोटिया चौक तक सड़क चौड़ीकरण कार्य के लिए कुल 1363.52 लाख रुपये (लगभग 13.63 करोड़) की प्रशासकीय मंजूरी प्रदान की गई है। इस परियोजना में 12.89 लाख रुपये कंसल्टेंसी शुल्क तय किया गया है।

यह सड़क कई महत्वपूर्ण आवासीय, शैक्षणिक और सार्वजनिक क्षेत्रों को जोड़ती है, जिससे इसके उन्नयन से बड़ी आबादी को सीधा लाभ मिलेगा।इन सख्त शर्तों के साथ होगा कार्य शासन ने दोनों परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए स्पष्ट और सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य स्वीकृत बजट और तकनीकी स्वीकृति के अनुरूप ही किया जाएगा।प्राक्कलन में किसी भी प्रकार का बड़ा परिवर्तन बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के नहीं किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया पूरी तरह नियमानुसार, पारदर्शिता के साथ और विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी की जाएगी।निर्माण कार्य केवल स्वीकृत डी.पी.आर.नक्शे और लेआउट के अनुसार ही किया जाएगा।गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए तय समयसीमा में कार्य पूरण करना अनिवार्य होगा। महापौर अलका बाघमार ने बताया कि वित्त विभाग की सहमति के बाद जारी हुआ आदेश इन दोनों परियोजनाओं को वित्त विभाग द्वारा 27 मार्च 2026 को सहमति प्रदान की गई थी, जिसके पश्चात 1 अप्रैल 2026 को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अवर सचिव द्वारा औपचारिक आदेश जारी किया गया।

सुबह सही तो सब सही, सामंथा रूथ प्रभु ने शेयर किया अपना पावर मॉर्निंग रूटीन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग फिटनेस, स्किन और मानसिक शांति के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन अक्सर छोटी-छोटी आदतों को नजरअंदाज कर देते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी पावर मॉर्निंग रूटीन साझा की है। उन्होंने बताया कि कैसे सही तरीके से दिन की शुरुआत करने से न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग पर भी सकारात्मक असर पड़ता है।

सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने कई तरह की मॉर्निंग रूटीन आजमाई हैं, लेकिन आखिरकार उन्हें एक ऐसा आसान तरीका मिला जो उनके लिए सबसे ज्यादा असरदार साबित हुआ। उन्होंने इसे पावर मॉर्निंग नाम दिया। सामंथा ने कहा, अगर सुबह सही तरीके से शुरू होती है, तो पूरा दिन सबकुछ सही होता है। ऊर्जा अपने आप बेहतर हो जाती है। वीडियो में सामंथा ने कहती है, कई बार लोग सब कुछ सही करने के बावजूद भी पेट की चर्बी कम नहीं कर पाते, स्किन की समस्याएं बनी रहती हैं या सुबह उठते समय चेहरा सूजा हुआ लगता है। इसकी एक बड़ी वजह गलत मॉर्निंग रूटीन हो सकती है। इसलिए लोगों को अपनी सुबह की आदतों पर ध्यान देना जरूरी है।

सामंथा ने खासतौर पर स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, सुबह उठते ही शरीर में कॉर्टिसोल का स्तर ज्यादा होता है, जो सामान्य है। लेकिन अगर हम उठते ही फोन, न्यूज या काम देखने लगते हैं, तो यह स्ट्रेस और बढ़ जाता है। इससे दिनभर ध्यान कम रहता है।

अपनी रूटीन को विस्तार से बताते हुए सामंथा ने सबसे पहला नियम बताया कि उठने के बाद एक घंटे तक फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके बाद कुछ मिनट शांति में बैठकर गहरी सांस लेनी चाहिए। इससे दिमाग को संकेत मिलता है कि आप सुरक्षित हैं, जिससे शरीर बेहतर तरीके से काम करता है और हेल्थ पर अच्छा असर पड़ता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा, उठने के 10 मिनट के अंदर चेहरे पर धूप लेना फायदेमंद होता है। साथ ही एक हेल्दी ड्रिंक और संतुलित नाश्ता ब्लड शुगर को कंट्रोल रखता है।

इस वीडियो के कैप्शन में सामंथा ने लिखा, इस रूटीन को बनाने में मुझे कई साल लगे, लेकिन इसका असर मेरी जिंदगी पर गहराई से पड़ा है। आप 21 दिनों तक इस रूटीन को लगातार अपनाएं। शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन अगर आप इसे जारी रखते हैं तो आप खुद महसूस करेंगे कि आप अपनी जिंदगी को कितना बदल सकते हैं।

क्या सीता के किरदार के लिए साई पल्लवी हैं बेस्ट च्वाइस? रणबीर ने यश के स्टारडम को लेकर कही यह बात

रणबीर कपूर ने 'रामायण' में साई पल्लवी के किरदार सीता को लेकर अपनी राय दी है। इसके साथ ही रणबीर ने यश के स्टाडम पर भी बात की है।

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' फिल्म का टीजर हाल ही में लॉस एंजिल्स में एक खास स्क्रीनिंग के दौरान जारी किया गया। इस कार्यक्रम में रणबीर कपूर ने मीडिया और प्रशंसकों से बात की। रणबीर इस फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं।

इस दौरान रणबीर ने फिल्म में सीता का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी और रावण के किरदार में यश के बारे में खुलकर बात की।

साई को लेकर रणबीर की राय

रणबीर कपूर ने बताया कि सीता का किरदार साई पल्लवी को देने का फैसला बिल्कुल सही था। उन्होंने कहा, 'जिस दिन मैंने साई पल्लवी को सीता के रूप में देखा, मुझे और नितेश सर को तुरंत समझ आ गया कि उनसे बेहतर कोई और इस भूमिका के लिए नहीं हो सकता। साई बहुत प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं।'

यश को लेकर रणबीर की राय

इस दौरान रणबीर ने रावण के किरदार में यश को लेकर भी अपनी राय पेश की। रणबीर ने कहा कि यश में स्टारडम है और रावण जैसे शक्तिशाली किरदार के लिए उनकी दमदार व्यक्तित्व और स्क्रीन पर मौजूदगी बिल्कुल सही है।

'रामायण' का टीजर

टीजर में सीता के रूप में साई पल्लवी की सिर्फ धुंधली झलक दिखाई गई है, जबकि रावण के पुष्पक विमान का शानदार सीन दिखाया गया है, जिसमें यश विमान की तरफ बढ़ते दिख रहे हैं। राम का पहला लुक पहले ही जारी हो चुका है, जिसे देखकर प्रशंसक बहुत उत्साहित हैं। यह टीजर भारत में 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के मौके पर लॉन्च जारी किया गया था। इससे एक दिन पहले ही रणबीर लॉस एंजिल्स में फिल्म 'रामायण' की खास स्क्रीनिंग में शामिल हुए थे।

फिल्म 'रामायण' के बारे में

'रामायण' फिल्म को आईमैक्स फॉर्मेट में बनाया गया है और इसे दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। फिल्म दो भाग में रिलीज होगी। 'रामायण' का पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होगा।

इसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी दिओल, रवि दुबे और यश ने अभिनय किया है। फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा हैं और 'रामायण' का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है।

फिल्म आखिरी सवाल का टीजर जारी, आरएसएस के 100 साल का इतिहास लेकर आए संजय दत्त

एक ऐसी फिल्म जो उन सवालों को पूछने की हिम्मत करती है, जिसने एक सदी से भी ज्यादा समय से देश और यहां के युवाओं को उलझा रखा है। नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग के डायरेक्शन में बनी आखिरी सवाल का टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें संजय दत्त मुख्य भूमिका में हैं और इसे निखिल नंदा ने प्रोड्यूस किया है। महात्मा गांधी के निधन के बाद लगाए गए बैन से लेकर बाबरी मस्जिद ढहाने के आरोपों तक, आखिरी सवाल ऐसे गंभीर सवाल उठाती है, जिनके जवाब लोग लंबे समय से ढूंढ रहे हैं। निडर और बेबाक, यह टीजर इतिहास की गहराई में उतरता है और एक ऐसी कहानी पेश करता है जो निश्चित रूप से पूरे देश में एक नई बहस छेड़ देगी। संजय दत्त के साथ-साथ अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे शानदार कलाकारों से सजी आखिरी सवाल उन फिल्मों में से एक है जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.। अपनी अनाउंसमेंट के साथ ही हलचल मचाने के बाद, मेकर्स ने हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर टीजर रिलीज किया है, और इसने अभी से ही चर्चा बटोरनी शुरू कर दी है।

यह बहुप्रतीक्षित टीजर फिल्म के विषय की एक पावरफुल झलक दिखाता है, जिसका मकसद उस छिपी हुई कहानी की परतों को खोलना है जिसे देश को देखने की जरूरत है। निडर, सीधा और बातचीत के अंदाज वाला यह टीजर एक ऐसी बहस छेड़ता है जिसके फिल्म रिलीज होने पर और भी तेज होने की उम्मीद है। कहानी विक्की की है, जो एक होनहार लेकिन थोड़ा गुस्सैल स्कॉलर है और प्रोग्रेसिव इंडिया का एक महत्वाकांक्षी युवा है। विक्की अपनी थीसिस रिजेक्ट होने के बाद अपने गुरु प्रोफेसर गोपाल नडकर्णी पर पक्षपात का आरोप लगाता है, जो शुरू में एक निजी एकेडमिक विवाद होता है, वो बाद में नेशनल टेलीविजन पर होने वाली बहस में बदल जाता है. यह फिल्म भारत के युवाओं के मन में उठने वाले सुलगते सवालों उनकी उम्मीदों, शंकाओं और ऐतिहासिक घटनाओं व तथ्यों के जरिए सच की उनकी तलाश को दिखाती है।

फिल्म के केंद्र में गुरु-शिष्य के बीच का एक जबरदस्त टकराव है, जहां विक्की की लगातार पूछताछ एक गहरे व्यक्तिगत मकसद का खुलासा करती है। आखिर में, उसका आखरी सवाल एक सदी पुराने ऐसे राज से पर्दा उठाता है जो या तो प्रोफेसर को सही साबित कर सकता है या उन दोनों को बर्बाद। अभिजीत मोहन वारंग, जिन्होंने 2021 में मराठी ड्रामा पिकासो से अपने डायरेक्शन की शुरुआत की थी, उन्हें 67वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में स्पेशल मेंशन मिला था। उन्होंने मराठी और हिंदी सिनेमा में लगातार प्रभावशाली फिल्में दी हैं, जिनमें डेजा वू, प्रेम प्रथा धूमशान, पिकोलो और शॉर्ट फिल्म वर्चुअल रियलिटी शामिल हैं।

निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म निखिल नंदा द्वारा पेश की जा रही है, जिन्होंने जियो हॉटस्टार और अन्य प्लेटफॉर्म्स के लिए कई प्रोजेक्ट्स किए हैं। आखरी सवाल को निखिल नंदा और संजय दत्त ने प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्जवल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं।

फिल्म की कहानी, पटकथा और डायलॉग्स उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। संगीत मोंटी शर्मा ने दिया है और इसके बोल कुमार विश्वास ने लिखे हैं आखिरी सवाल 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा मंगल-देश की बेटी के लिए दीपिका सिंह को फैंस ने दी बधाई

भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कई शो होते हैं जो दर्शकों के दिल में अपनी खास जगह बना लेते हैं। ऐसे ही शो में से एक है मंगल लक्ष्मी, जो अब अपने नए अध्याय मंगल-देश की बेटी के साथ दर्शकों के सामने आ रहा है।

इस नई कहानी में मुख्य किरदार मंगल नई जिम्मेदारियों और चुनौतियों का सामना करती हैं। अभिनेत्री दीपिका सिंह ने इस नई यात्रा को लेकर इंस्टाग्राम पर एक भावपूर्ण पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी खुशी, उत्साह और टीम के प्रति आभार जताया। दीपिका ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह इस नए चैप्टर को लेकर पूरी तरह से अभिभूत और उत्साहित हैं। उन्होंने दर्शकों को बताया कि इस कहानी में मंगल को देश की सेवा का अवसर मिलता है और वह खुद को विशेष महसूस करती हैं।

दीपिका ने अपने कैप्शन में लिखा, मंगल-देश की बेटी के इस नए सफर को निभाने के लिए मैं बेहद खुश, रोमांचित और उत्साहित हूं।

उन्होंने अपने पोस्ट में टीम का भी धन्यवाद किया। दीपिका ने कहा कि पिछले 700 एपिसोड्स के दौरान पूरी टीम ने लगातार मेहनत और समर्पण दिखाया। उन्होंने बताया कि दर्शकों का समर्थन ही उनकी इस सफलता की सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने अपने फैंस से हर एपिसोड देखने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे इस शो का आनंद लेते रहेंगे।

दीपिका के इस पोस्ट पर कई लोगों ने किया कमेंट्स

एक ने लिखा, दीपिका जी, आपका नया किरदार देखकर बहुत खुश हूं! मंगल का यह रूप बहुत प्रेरणादायक लग रहा है।

दूसरे फैंस ने लिखा, आपकी मेहनत और एनर्जी सच में कमाल की हैं!

अन्य ने लिखा, शो देखने के लिए अब और भी उत्साहित हो गए हैं, ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा।, आपकी एक्टिंग हमेशा दिल को छूती है।

मंगल लक्ष्मी कन्नड़ टीवी सीरीज भाग्यलक्ष्मी का आधिकारिक रूपांतरण है। इस शो में दीपिका के अलावा सनिका अमित, नमन शॉ और शुभम दीक्षा मुख्य कलाकार हैं। इस कहानी में मंगल अपनी बहन लक्ष्मी के लिए सही जीवनसाथी खोजती हैं।

कान में खुजली आने के ये हो सकते हैं 5 कारण, जानें और इनसे बचें

कान में खुजली एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। यह समस्या अक्सर हल्की लगती है, लेकिन इसके पीछे कई गंभीर कारण हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको कान में खुजली के पांच मुख्य कारणों के बारे में बताएंगे, ताकि आप सही समय पर सही उपचार कर सकें और इस असुविधा से राहत पा सकें। इन कारणों को जानकर आप अपने कानों की बेहतर देखभाल कर सकेंगे।

कान में जमी हुई मैल

कान में जमी हुई मैल खुजली का एक प्रमुख कारण हो सकता है। यह मैल समय-समय पर इकट्ठा होती रहती है और अगर इसे साफ नहीं किया जाता तो यह खुजली का कारण बन सकती है। मैल को साफ करने के लिए आप कान के लिए बने विशेष उपकरण का उपयोग कर सकते हैं या फिर डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं। ध्यान रखें कि मैल को साफ करते समय हल्के हाथों से करें ताकि कोई चोट न लगे।

एलर्जी

एलर्जी भी कान में खुजली होने का एक कारण हो सकती है। यह एलर्जी धूल, पराग, जानवरों के बाल या किसी अन्य चीज से हो सकती है, जिससे आपका शरीर प्रतिक्रिया करता है। अगर आपको लगता है कि आपकी खुजली एलर्जी के कारण हो रही है तो डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही इलाज मिल सके। डॉक्टर आपको ऐसी दवाइयां या घरेलू उपायों की सलाह दे सकते हैं, जो आपकी एलर्जी को कम करने में मदद करेंगे।

संक्रमण

कान में संक्रमण होना भी खुजली का एक कारण हो सकता है। यह संक्रमण बैक्टीरिया या फंगस के कारण होता है, जो आपके कान में प्रवेश कर जाते हैं और सूजन या जलन पैदा करते हैं। अगर आपको लगातार खुजली महसूस हो रही हो और उसमें सुधार न आ रहा हो तो डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही इलाज मिल सके और संक्रमण से छुटकारा मिल सके।

नमी

कान में नमी भी खुजली का एक कारण हो सकती है, खासकर अगर आप तैराकी करते हैं या बार-बार पानी में रहते हैं। नमी के कारण फंगस पनप सकते हैं, जो खुजली पैदा कर सकते हैं। अपने कानों को सूखा रखने के लिए तैराकी करते समय कान के लिए बने टोपी पहनें और नहाने के बाद उन्हें अच्छी तरह पोंछें। इसके अलावा नमी वाले वातावरण से बचें और समय-समय पर अपने कानों को साफ रखें।

त्वचा की समस्या

कुछ त्वचा समस्याएं जैसे एक्जिमा या सोरायसिस भी कान में खुजली पैदा कर सकते हैं। इन समस्याओं के कारण सूजन, लालिमा और जलन हो सकती है, जिससे खुजली होती है। अगर आपको अपने कान में सूजन या लालिमा महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही उपचार मिल सके और समस्या का समाधान हो सके। इन कारणों को जानकर आप अपने कानों की बेहतर देखभाल कर सकते हैं और समय रहते उचित उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

खास खबर

राज्य में कृषि एवं जैव ईंधन के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में कृषि एवं जैव ईंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। पहली बार राज्य में सफेद चुकंदर (शुगरबीट) के किस्म एलएस-6 की खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ गन्ना की फसल के साथ अंतफसली प्रणाली पर एक संयुक्त अनुसंधान परियोजना प्रारंभ की गई है। यह परियोजना छत्तीसगढ़ जैव ईंधन विकास प्राधिकरण, रायपुर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ एवं राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के संयुक्त सहयोग से संचालित की जा रही है। इस कार्यक्रम में डॉ सीमा परोहा निदेशक, डॉ लोकेश बाबर, सहायक आचार्य (कृषि रसायन), राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर एवं श्री सुमित सरकार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री संतोष कुमार मैत्री, सहायक परियोजना अधिकारी, छत्तीसगढ़ जैव ईंधन प्राधिकरण, रायपुर, द्वारा सयुंक्त रूप से कार्य किया जा रहा है। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य सफेद चुकंदर से बायो-एथेनॉल उत्पादन की संभावनाओं, उसकी आर्थिक व्यवहार्यता तथा किसानों के लिए अतिरिक्त आय के स्रोत विकसित करना है। साथ ही, गन्ना के साथ शुगरबीट की अंतफसली प्रणाली के माध्यम से एक ही भूमि पर दो फसलों का उत्पादन कर किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं का अध्ययन किया जा रहा है। गन्ना एक दीर्घकालीन फसल है, जिसकी प्रारंभिक अवस्था में खेत का कुछ हिस्सा खाली रहता है।

पक्का आवास मिलने से जीवन में आई खुशहाली

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना छत्तीसगढ़ राज्य में पक्के घर का सपना संजोने वाले लाखों ग्रामीण परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इसी कड़ी में सक्ति जिले के ग्राम पलाड़ी कला के निवासी सजन साहू के लिए पक्का घर कभी एक अधूरा सपना था, जो अब हकीकत में बदल चुका है। रोजी-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले सजन साहू वर्षों तक जर्जर कच्चे मकान में जीवन यापन कर रहे थे, जहां हर बारिश उनके लिए संकट लेकर आती थी। टपकती छत, भीगता सामान और गिरती दीवारों के बीच उनका परिवार लगातार असुरक्षा में जी रहा था। एक बार भारी बारिश के दौरान उनके घर की दीवार गिर जाने से स्थिति और भी भयावह हो गई थी। ऐसे कठिन दौर में प्रधानमंत्री आवास योजना उनके जीवन में उम्मीद की किरण बनकर आई। योजना के तहत आवास स्वीकृत होने के बाद जैसे उनके जीवन में नया उत्साह भर गया। पहली किस्त प्राप्त होते ही उन्होंने घर निर्माण कार्य शुरू किया और धीरे-धीरे उनका सपना साकार होता गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से उनका पक्का मकान समय पर पूर्ण हो सका। आज सजन साहू अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। अब न उन्हें बारिश का डर सताता है और न ही घर गिरने की चिंता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उनके परिवार को नई पहचान और सुरक्षित, खुशहाल जीवन दिया है।

जल संरक्षण के कार्यों को और गति दें, अधिक से अधिक पेड़ लगाकर संरक्षित करें-राज्यपाल

जैविक खेती को प्रोत्साहित करें, चांवल का वैल्यू एडिशन करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने जल संरक्षण के कार्यों की सराहना करते हुए किसानों को डबरी खनन के लिए अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। बताया गया कि विकासखंड में 218 डबरी स्वीकृत की गई हैं तथा बड़ी संख्या में निर्माण कार्य पूर्ण किए गए हैं, राज्यपाल ने और गति देने की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल श्री डेका ने आज सरायपाली प्रवास के दौरान रेस्ट हाउस में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राज्यपाल ने वृक्षारोपण को जनआंदोलन के रूप में संचालित करने पर जोर देते हुए कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जाए। कैंपा एवं मनरेगा मद से वृहत वृक्षारोपण करते हुए शासकीय भवनों, रेस्ट हाउस परिसरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में फलदार एवं छायादार पौधे लगाए जाएं। विभाग ने बताया कि क्षेत्र में लगभग 1.50 लाख पौधरोपण किया गया है तथा अमृत सरोवरों के आसपास भी हरित विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने इसमें जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कृषि क्षेत्र की समीक्षा करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने तथा धान के साथ उद्यानिकी फसलों के समावेश पर बल दिया। उन्होंने जैविक चावल के वैल्यू एडिशन के माध्यम से किसानों की आय वृद्धि के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा के दौरान उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को प्रभावी बनाने, हितग्राहियों से सेवा शुल्क लेने तथा सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई एवं उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने टीबी रोगियों की जानकारी ली और उनके उपचार की सतत निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने समाज के सक्षम व्यक्तियों को टीबी मरीजों को गोद लेने के लिए प्रेरित करने, रेडक्रॉस से जुड़ने तथा ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर एवं मोतियाबिंद के उपचार हेतु जागरूकता अभियान एवं शिविर आयोजित करने पर बल दिया। उन्होंने एम्स से समन्वय स्थापित कर बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

राज्यपाल श्री डेका ने योग को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों में प्रारंभ से ही योग की आदत विकसित की जाए तथा इसके लिए नियमित प्रशिक्षण और कक्षाएं संचालित की जाएं। उन्होंने अधिक से अधिक पुस्तकालय खोलने तथा महिला स्व-सहायता समूहों को आजीविका गतिविधियों से जोड़कर लखपति दीदी बनाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में सरायपाली विधायक चतुरी नंद भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर कलेक्टर विनय लंगेह ने जिले में संचालित विकास कार्यों एवं प्रमुख योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, एसडीएम अनुपमा आनंद सहित विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा से गांव-शहर की दूरी हुई कम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना ने ग्रामीण अंचलों में परिवहन व्यवस्था को एक नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित बस सेवा योजना अंतर्गत दूरस्थ जनजातीय गांवों को जिला एवं विकासखंड मुख्यालय से जोड़ने वाली 4 नई बस सेवाओं की शुरुआत की गई है।

पहले कई गांव ऐसे थे जहाँ नियमित परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं थी। विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए लंबी दूरी, पैदल या महंगे निजी साधनों से तय करनी पड़ती थी। किसानों और व्यापारियों को अपने उत्पाद बाजार तक पहुंचाने में कठिनाई होती थी। लेकिन बस सेवाओं के संचालन से ग्रामीणों को सुरक्षित, सुलभ परिवहन सुविधा मिल रही है। विद्यार्थी अब समय पर स्कूल और कॉलेज पहुंच पा रहे हैं। किसान अपनी

उपज सीधे बाजार तक ले जा पा रहे हैं। श्रमिकों और व्यापारियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। राजपुर, रामानुजगंज, शंकरगढ़, वाड्रफनगर के अनेक गांव अब सीधे बस सेवा से जुड़ गए हैं। इससे ग्रामीणों के समय की बचत हो रही है।

रामानुजगंज से मर्मा जा रही नगोई बाई अपने पुराने दिनों को साझा करते हुए बताती है कि पहले कही जाने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था या महंगे साधन लेना पड़ता था। अब बस सेवा से परिवहन करना आसान हो गया है। राजपुर से नरसिंहपुर जा रही महिला श्रीमती श्यामा ने कहा कि अब अस्पताल, बाजार या अन्य जरूरी कामों के लिए हमें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। बस सेवा से हमारी जिंदगी काफी आसान हो गई है। रामानुजगंज से लोधा जा रहे दशरथ मरावी का कहना है कि पहले परिवहन सुविधा न होने के कारण गांव से बाहर जाने में परेशानी होती थी। लेकिन अब बस संचालन से हम आसानी से विकासखण्ड एवं जिला मुख्यालय तक पहुंच जाते हैं। इससे समय और पैसे दोनों की बचत हो रही है। योजना के माध्यम से उन्हें निजी वाहनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता और यात्रा पहले से अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक हो गई है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत जिले में 4 बस सेवाएं प्रदान की गई है। सुदूर वंनांचलों में रहने वाले लोगों के आवागमन सुविधा से सहुलियत मिल रही है। इसके लिए जिले में 4 मार्गों का चयन किया गया है। जिसके अंतर्गत राजपुर से नरसिंहपुर (व्हाया, राजपुर, परसागुड़ी, चिलमा कला, नरसिंहपुर)।

इसी प्रकार रामानुजगंज से भीतरचुरा (व्हाया रामचन्द्रपुर, बाहरचुरा, चरगढ़, चेरवाडीह, भीतरचुरा) एवं शंकरगढ़ से पटना (व्हाया पटना, जगिमा, डीपाडीहखुर्द, हरगावां, घुघरीखुर्द, चलगली, शंकरगढ़) तथा रामानुजगंज से वाड्रफनगर (व्हाया छतवा, लोधा, डाटम, बाहरचुरा, विमलापुर, डिण्डो, सलवाही, कसरईया, गोबरा, फुल्लीडुमर) में बस परिवहन सेवा शुरू की गई। ग्रामीण बस सेवा शुरू होने से यात्रा करने वाले ग्रामीणों को अब अधिक सुगम, सुरक्षित परिवहन सुविधा मिल रही है।

बाघ गणना में वन विकास निगम ने डिजिटल तकनीक का किया उपयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल, जगदलपुर में 'अखिल भारतीय बाघ आंकलन 2026' के अंतर्गत फील्ड स्तर का सर्वे कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस दौरान निगम के अमले ने अपने प्रबंधन वाले वन क्षेत्रों में बीट स्तर पर व्यापक सर्वे अभियान चलाया। सर्वे कार्य वैज्ञानिक पद्धति के आधार पर किया गया। मैदानी कर्मचारियों ने प्रत्येक बीट में ट्रेल और ट्रांसेक्ट सर्वे के माध्यम से वन्यजीवों की उपस्थिति दर्ज की।

लाइन ट्रांसेक्ट सर्वे के तहत निर्धारित लाइनों पर पैदल चलकर शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या, घनत्व और उनके निवास क्षेत्र की गुणवत्ता का आकलन किया गया। ट्रेल सर्वे के अंतर्गत वन क्षेत्रों की पगडंडियों और जलस्त्रोतों के आसपास बाघ, तेंदुआ सहित अन्य मांसाहारी वन्यजीवों के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष साक्ष्यों का निरीक्षण किया गया। इसमें पगमार्क, मल (स्कैट) और पेड़ों पर खरोंच के निशानों का अध्ययन शामिल रहा। इस पूरे अभियान में आधुनिक डिजिटल तकनीक का उपयोग किया गया। वन विकास निगम के अधिकारियों के अनुसार, औद्योगिक वृक्षारोपण क्षेत्रों में सागौन सहित अन्य प्रजातियों के बीच वन्यजीवों की आवाजाही से जुड़े आंकड़े भविष्य की संरक्षण और प्रबंधन योजनाओं के लिए उपयोगी साबित होंगे।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने महतारी वंदन योजना मददगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिलाओं के साथ असमानता को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत् सुधार लाने, आर्थिक स्वावलंबन तथा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन, परिवार में उनकी निर्णय लेने की भूमिका को सुदृढ़ करने, महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा महतारी वंदन योजना लागू की गई है।

महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1000 रुपये की आर्थिक सहायता मिलने लगी, जिसे मलिाओं ने इसे एक अवसर के रूप में देखा और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने उपयोग करने लगी। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड के छोटे से ग्राम मझगंवा की श्रीमती हेमा सिंग की कहानी आज कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है। कभी आर्थिक तंगी से जूझने वाली हेमा सिंग ने आज अपने आत्मविश्वास और सरकारी योजना के सहयोग से अपनी जिंदगी को नई दिशा दी है। महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें हर महीने 1000 रुपये की आर्थिक सहायता मिलने लगी। जिसे हेमा सिंग ने इसे एक अवसर के रूप में देखा।

हेमा सिंग ने इस राशि को बचाकर अपने घर के पास एक छोटा सा किराना स्टोर शुरू किया। धीरे-धीरे उनकी दुकान चल निकली। गांव के लोगों की जरूरतों को पूरा करते हुए उनका व्यवसाय बढ़ने लगा और आय में भी स्थिरता आने लगी।

कुसुम की खेती के प्रति बालोद जिले के किसानों में बढ़ा रूझान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरकार की तिलहन प्रोत्साहन योजनाओं और जिला प्रशासन के नीर चेतना अभियान का सकारात्मक असर अब बालोद के खेतों में दिखने लगा है।

कृषि विभाग के कृषक चौपाल और फसल चक्र परिवर्तन के प्रति जागरूकता अभियान से प्रेरित होकर जिले के किसानों ने पारंपरिक खेती के साथ-साथ तिलहन उत्पादन, विशेषकर कुसुम की खेती की ओर कदम बढ़ाए हैं।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण का परिणाम है कि बालोद जिले में जिस कुसुम की खेती का रकबा पहले शून्य था, वह इस वर्ष बढ़कर 157 हेक्टेयर तक पहुंच गया है। उन्नत बीजों का चयन, कतार पद्धति से बुआई और संतुलित उर्वरक प्रबंधन के कारण वर्तमान में

फसल लाभदायक साबित हुआ है।

स्थानीय किसानों के अनुसार, कुसुम की खेती कई मायनों में फायदेमंद है, कम जल खपत, इसे बहुत ही सीमित सिंचाई की आवश्यकता होती है। यह फसल कम समय में तैयार हो जाती है और लागत भी न्यूनतम आती है। कुसुम की खेती मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने में सहायक मानी जाती है। मौसम अनुकूल रहने पर अच्छी पैदावार से किसानों की आय दोगुनी होने की प्रबल उम्मीद है। घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिले के सभी विकासखंडों के 37 ग्रामों के 194 कृषकों ने पहली बार नवीन तिलहन फसल के रूप में कुसुम का प्रदर्शन लिया है। भविष्य में कुसुम की खेती के विस्तार हेतु बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। कुल कृषकों में से 79 कृषकों ने 101 हेक्टेयर क्षेत्र में बीज उत्पादन हेतु बीज निगम में पंजीयन कराया है। इससे आने वाले समय में जिले के किसानों को स्थानीय स्तर पर ही उन्नत बीज प्राप्त हो सकेंगे। साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा खेतों का नियमित निरीक्षण और कीट प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है, जिससे फसल की गुणवत्ता बेहतर बनी हुई है। बालोद जिले के किसानों का यह सामूहिक प्रयास अब आसपास के क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।

बदलाव की बयार : जहॉं था डर और प्यास वहाँ अब विकास: लखपाल बना नई उम्मीद की मिसाल

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व और जिला प्रशासन की मेहनत से खत्म हुआ जल संकट, पानी के लिए नहीं भटकेंगे ग्रामीण, 117 घरों में पहुंचा अमृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी नक्सल भय और पेयजल संकट से जूझता सुकमा जिले का दूरस्थ ग्राम लखापाल आज विकास की नई कहानी लिख रहा है। वर्षों तक जहां ग्रामीणों को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब हर घर में नल से शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है। यह बदलाव केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन और छत्तीसगढ़ शासन की नियद नेल्लानार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में कोंटा विकासखंड के घोर नक्सल प्रभावित ग्राम लखापाल में विकास की वह रोशनी पहुंची है, जिसकी यहां वर्षों से प्रतीक्षा थी।

जिला मुख्यालय सुकमा से लगभग 88 किलोमीटर दूर स्थित लखापाल गांव लंबे समय तक नक्सल समस्या और पेयजल संकट की दोहरी मार झेलता रहा। गांव के 117 परिवार पानी के लिए बोरिंग, कुएं और एक छोटे नाले पर निर्भर थे। गर्मी के दिनों में जलस्तर इतना नीचे चला जाता

था कि ग्रामीणों को बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था। महिलाओं और बच्चों को कई बार दूर-दराज़ से पानी लाना पड़ता था। समय और मेहनत के साथ-साथ बीमारियों का खतरा भी लगातार बना रहता था।

सुकमा जिले के कार्यपालन अभियंता श्री विनोद कुमार राम ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायत लखापाल में 72.01 लाख रुपये की लागत से 4 सोलर पंप टंकी स्थापित की गई। इसके माध्यम से गांव में 117 घरेलू नल कनेक्शन दिए गए। गांव की कुल जनसंख्या 465 है, और अब हर परिवार को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

गांव की महिला श्रीमती लखे तेलाम भावुक होकर बताती हैं कि पहले पानी के लिए बहुत परेशानी होती थी। नाले और बोरिंग से पानी लाना पड़ता था। कई बार मौसमी बीमारी हो जाती थी। महुआ बीनकर लौटने के बाद पानी लेने जाना बहुत मुश्किल होता था। अब नल से घर में ही दिनभर पानी मिलता है। हम बहुत खुश हैं। शासन की योजना बहुत अच्छी है। उनकी बातों में केवल राहत नहीं, बल्कि एक नए जीवन की उम्मीद झलकती है।

गांव के निवासी तेलाम बुधु बताते हैं कि पहले लखापाल में भय का माहौल था। हमारा गांव पहले नक्सल समस्या से प्रभावित था। लोग ख़ौफ़ में जीते थे। बिजली, पानी और सड़क की समस्या थी। गांव में पहले नक्सलियों की मीटिंग होती थी। गांववालों से पैसा और चावल-दाल जमा कराया जाता था। लेकिन अब बदलाव आ गया है। अब पंचायत की मीटिंग ग्राम विकास के लिए होती है। बिजली, पानी, राशन और सड़क की सुविधा मिल रही है। उनके शब्द साफ कहते हैं अब गांव में डर नहीं, विकास की चर्चा होती है।

जल जीवन मिशन के लागू होने के बाद लखापाल में सिर्फ पानी की सुविधा नहीं आई, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़ा परिवर्तन देखने को मिला। अब जलजनित बीमारियों में कमी आई है और स्वच्छ पेयजल के कारण ग्रामीणों की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आया है। नल जल योजना से पानी मिलने के बाद ग्रामीणों ने खेती और बाड़ी की ओर कदम बढ़ाया है। अब गांव के लोग अपने घर के आसपास टमाटर, मिर्ची, बरबट्टी, सेमी और खट्टा भाजी उगा रहे हैं। इससे न केवल घर में सब्जी की व्यवस्था हो रही है, बल्कि बाजार से सब्जी खरीदने का खर्च भी बच रहा है।

कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्राम लखापाल जैसे दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना प्रशासन की बड़ी उपलब्धि है। इससे ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और स्वास्थ्य में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले के प्रत्येक गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाकर विकास की रोशनी हर क्षेत्र तक पहुंचाई जाएगी।

खास खबर

सरपंच ने पीएम में देरी पर कर्मचारी को पीटा

कोरबा। कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमार्टम (पीएम) में देरी को लेकर हुए विवाद में एक सरपंच ने मर्चुरी कर्मचारी की पिटाई कर दी। सरपंच ने कर्मचारी का सिर दीवार में पटक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने सरपंच के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना तब हुई जब सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम बेंदरकोना निवासी 35 वर्षीय लाल सिंह मंझवार का शव पोस्टमार्टम के लिए लाया गया था। लाल सिंह सुबह करीब 11 बजे बाड़ी की ओर गए थे, जहां उनके भतीजों को कुएं में गिरने का संदेह हुआ। परिजनों और ग्रामीणों ने उन्हें कुएं से बाहर निकाला और मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को मर्चुरी में शिफ्ट करने के बाद, परिजन और ग्रामीण, जिनमें सरपंच जयवीर सिंह ठाकुर भी शामिल थे, पोस्टमार्टम के लिए जल्दबाजी करने लगे। सरपंच ने गाली-गलौज करते हुए बालचनैया की पिटाई शुरू कर दी। मारपीट के बाद बालचनैया अपने साथियों के साथ सिविल लाइन थाना शिकायत दर्ज कराने गए थे, लेकिन हालत बिगड़ने के कारण वे शिकायत पत्र देकर वापस लौट आए। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

त्रिपुरा राइफल्स के वाहन से बाइक टकराई, युवक की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में शुक्रवार शाम एक बाइक सेना के वाहन से टकरा गई। इस हादसे में बाइक पर सवार एक युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद त्रिपुरा राइफल्स के जवान मौके से भाग गए। घटना दीपका थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक अंकित शर्मा (24) और मोनू यादव बाइक पर थे। कुसमुंडा बाइपास मार्ग पर गंगानगर के पास उनकी बाइक सामने से आ रहे त्रिपुरा राइफल्स के 407 वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अंकित के सिर में गंभीर चोट आई और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद त्रिपुरा राइफल्स के जवान मौके से भाग निकले, जबकि घायल मोनू को अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे कोरबा अस्पताल रेफर कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक की गति तेज थी और वह अनियंत्रित होकर 407 वाहन से टकरा गई। दीपका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि इस मामले में धारा 106(2) बीएनएस के तहत मर्ग क्रमांक 29/26, धारा 194 बीएनएसएस के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी 407 वाहन ने अंकित की बाइक को टक्कर मारी, जिससे उसकी जान चली गई।

रायपुर में पाकिस्तानी मूल के युवक को जिंदा दफनाया

दो हफ्ते बाद पांच आरोपी गिरफ्तार, लव अफेयर के कारण बेहोशी की हालत में 40 किमी दूर ऑटो में ले गए आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस ने अभनपुर के पास खदान क्षेत्र में कुछ दिन पहले 29 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने युवक को बुरी तरह पीटने के बाद जिंदा ही खदान में दफना दिया था। पीड़ित पाकिस्तान का नागरिक था और नागरिकता की उम्मीद में रायपुर में रह रहा था। पांच दिन बाद उसने अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दिया। बताया गया कि उसके मुंह और श्वासनली (सांस की नली) में मिट्टी भर जाने से उसकी हालत बिगड़ गई थी। इस मामले में एक आरोपी फरार है।

जांच अधिकारी ने मृतक नितेश बत्रा रायपुर के सदानी दरबार का रहने वाला था। वह भारतीय नागरिक नहीं था और शहर में काम करता था। मुख्य आरोपी श्याम सुंदर सोनी, जो सब्जी की दुकान चलाता है, कथित तौर पर एक महिला के साथ संबंध में था। 16 मार्च की रात नितेश, श्याम के घर गया, जहां दोनों के बीच कहासुनी हो गई, जो बाद में हिंसक हो गई। श्याम और उसके दो कर्मचारियों ने नितेश को डंडों से बुरी तरह पीटा, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई।

बेहोशी की हालत में दफनाया

पुलिस के अनुसार, चोट के कारण वह बेहोश हो गया इसी हालत में नितेश को एक ऑटो-रिक्शा में डालकर करीब 40 किलोमीटर दूर पारसुलीडीह और फिलगाभाठा गांव के बीच एक सुनसान खदान क्षेत्र में ले जाया गया। वहां आरोपियों ने उसे फिर पीटा, गमछे से गला घोंटने की कोशिश की और अंत में उसे जिंदा दफना दिया।

21 मार्च को मिला था शव

21 मार्च को भरवगभाठा के पास सड़क किनारे गड्ढे में शव मिला, जिसमें उसका एक हाथ और पैर बाहर दिख रहा था। पोस्टमार्टम में पुष्टि हुई कि उसे जिंदा दफनाया गया था। अभनपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर उत्तर प्रदेश के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें श्याम सुंदर सोनी, सोनिया साहू, सुमित कोसले और दो नाबालिग शामिल हैं। एक आरोपी अभी भी फरार है।

पुलिस ने एक ऑटो-रिक्शा, डंडे और अन्य सामान भी जब्त किए हैं। आरोप है कि नितेश श्याम की गर्लफ्रेंड को परेशान करता था, उसे अक्सर फोन किया करता था।

पुलिस ने कहा- क्रूरता की हदें पार की

पुलिस अधिकारियों ने कहा, यह बेहद जघन्य और चौंकाने वाला अपराध है। आरोपियों ने एक अर्धचेतन व्यक्ति को जिंदा दफनाकर क्रूरता की हद पार कर दी। बाकी आरोपी की तलाश के लिए विशेष जांच टीम बनाई गई है और सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा और पीड़ित को न्याय दिलाया जाएगा।

कोरबा में एम्बुलेंस पलटी, चालक शराब के नशे में धुत

निजी अस्पताल से लाश ले जा रही थी, चार लोग बाल-बाल बच गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा में एक निजी अस्पताल से शव लेकर जा रही एम्बुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा रजगामार रोड स्थित आमाडांड गांव के पास मुख्य मार्ग पर हुआ। एम्बुलेंस कोरबा से रायगढ़ जिले के छाल जा रही थी। हादसे में वाहन में सवार चार लोग बाल-बाल बच गए, जबकि शव वाहन के अंदर ही फंसा रहा।

घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। उन्होंने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और वाहन के अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने जेएसईबी वाहन की मदद से पलटी हुई एम्बुलेंस को सीधा किया।

एम्बुलेंस का चालक शराब के नशे में धुत था

बताया जा रहा है कि एम्बुलेंस का चालक शराब के नशे में धुत था। तेज रफ्तार के कारण वह सड़क पर पड़ी गिट्टी को देख नहीं पाया और वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसे के बाद तत्काल दूसरी एम्बुलेंस बुलाई गई। शव को दूसरे वाहन में स्थानांतरित किया गया। बताया गया कि हादसे के कारण शव के सिर से खून निकलने लगा था। एम्बुलेंस में सवार अन्य लोगों को भी दूसरी एम्बुलेंस में शिफ्ट कर आगे के लिए रवाना किया गया।

परिजनों ने चालक को शराब के नशे में गाड़ी चलाने से मना किया था, लेकिन उसने सुरक्षित पहुंचाने का आश्वासन देते हुए वाहन चलाया। जानकारी के अनुसार, एम्बुलेंस चालक पहले भी कई बार शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा जा चुका है।

बैंककर्मी दोस्त ने स्कॉटलैंड की महिला बनकर 3 करोड़ ठगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कैंसर अस्पताल और लॉ कॉलेज खोलने के नाम पर वकील से करीब 3 करोड़ रुपए की ठगी हुई है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने पीड़ित को स्कॉटलैंड से 103 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट भेजने का झांसा दिया। इस रकम को क्लियर कराने के नाम पर अलग-अलग प्रोसेसिंग फीस और टैक्स के बहाने 3 करोड़ रुपए वसूल लिए गए। काफी समय तक डिमांड ड्राफ्ट क्लियर नहीं होने पर पीड़ित को संदेह हुआ। जांच करने पर खुद के साथ ठगी होने का एहसास हुआ।

इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में पीड़ित ने बैंक कर्मी दोस्त पर ठगी के आरोप लगाए थे, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित वकील का नाम अरुण मिश्रा है। आरोपी एचडीएफसी बैंक में काम करता था। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है।आरोपी नवीन जून (34), सोनीपत (हरियाणा) का रहने वाला है, जो वर्तमान में बिलासपुर में रह रहा था। उसके कब्जे से थार और वेन्यू कार, मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप जब्त किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता भी हो सकती है, जिसकी जांच जारी है।

पीड़ित ने थाना चकरभाठा में शिकायत दर्ज कराई कि जनवरी-फरवरी 2024 में उसे एक विदेशी नंबर से वॉट्सएप मैसेज मिला। मैसेज भेजने वाले ने खुद को ग्रेट ब्रिटेन का 'डॉ. लोव्हीत' बताया और बाद में उसे अपनी कथित सहयोगी 'ग्रेस डेविड' (स्कॉटलैंड निवासी) से जोड़ दिया।

ग्रेस डेविड ने भारत में कैंसर अस्पताल, ब्लाइंड इंस्टिट्यूट, रियल एस्टेट और लॉ कॉलेज में करीब 500 करोड़ रुपए निवेश करने का झांसा दिया और पीड़ित को पार्टनर बनाने की बात कही। इस झांसे में आकर पीड़ित ने प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराई और लगातार संपर्क में रहा। 10 जून 2024 को महिला के भारत आने और उसके नाम पर 103 करोड़ रुपए के डिमांड ड्राफ्ट के क्लियरेंस के नाम पर पीड़ित से पैसे मांगे जाने लगे। शुरुआत में होटल, खर्च और औपचारिकताओं के नाम पर रकम ली गई, फिर एंबेसी, बैंक, आरबीआई, ईडी और कस्टम की कार्रवाई का हवाला देकर लगातार पैसे मांगे गए। इस तरह प्रार्थी ने 31 जुलाई 2024 तक अलग-अलग खातों से करीब 11.5 लाख रुपए और बाद में आरोपी नवीन जून के खाते में किस्तों में कुल 3 करोड़ 13 लाख 13 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। जांच में सामने आया कि आरोपी नवीन जून ने फर्जी ईमेल आईडी बनाकर खुद को बैंक और एंबेसी का अधिकारी बताकर पीड़ित को गुमराह किया। आरोपी पहले बैंक में डायरेक्ट सेलिंग एजेंट रह चुका है और उसने अपनी बैंकिंग जानकारी का गलत इस्तेमाल कर साथियों के साथ मिलकर इस ठगी को अंजाम दिया।

चालान से बचने के लिए खुद के ट्रक को यातायात थाना से चुरा ले गया चालक, 6 घंटे में पुलिस ने दबोचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक अनोखा चोरी का मामला सामने आया है, जहां ट्रक चालक ने चालान की राशि से बचने के लिए खुद ही अपना ट्रक चोरी कर लिया। जानकारी के अनुसार, 31 मार्च को नो-एंट्री में प्रवेश करने पर ट्रक के खिलाफकार्रवाई करते हुए उसे यातायात थाना भनपुरी में खड़ा कराया गया था। चालक द्वारा चालान की राशि जमा नहीं करने पर वाहन वहीं रखा गया था। इसी बीच 2 अप्रैल को सूचना मिली कि थाना परिसर में खड़ा ट्रक चोरी हो गया है। मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें ट्रक को राजनांदगांव की ओर जाते हुए देखा गया।

पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए पीछा किया और डोंगरगांव क्षेत्र से आरोपी को ट्रक के साथ पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ट्रक का चालक है और चालान की रकम से बचने के लिए उसने ही ट्रक चोरी की योजना बनाई थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 15 लाख रुपये कीमत का ट्रक बरामद कर लिया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर में ज्वेलरी शॉप चोरी का खुलासा, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार, पूरी रकम बरामद

रायपुर। राजधानी रायपुर के गोल बाजार स्थित नरेंद्र बैंगल्स दुकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने तेजी दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। राजधानी रायपुर के गोल बाजार स्थित नरेंद्र बैंगल्स दुकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने तेजी दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई में चोरी गई पूरी नगदी बरामद कर ली गई है, जिससे मामले का खुलासा हो गया है।

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की मदद से संदिग्धों की पहचान की। पड़ताल में सामने आया कि इस वारदात में दुकान का ही एक कर्मचारी शामिल था, जिसने अपने साथी के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से चोरी को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने अपराध कबूल कर लिया। उनके कब्जे से चोरी की पूरी रकम और अन्य सामान बरामद कर लिया गया है। एक नाबालिग की संलिप्तता भी सामने आई है, जिसे विधि अनुसार जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है, जबकि मामले की आगे जांच जारी है।

चाकू की नोंक पर लूट की कोशिश, दो गिरफ्तार हुए

बेलगहना। बेलगहना पुलिस ने घातक हथियारों के साथ लूट का प्रयास करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 1 अप्रैल 2026 की रात की है। बेलगहना-कोनचरा मार्ग पर स्थित सुनसान जंगल में आरोपियों ने बिना नंबर की बाइक से रास्ता रोककर एक कार सवार परिवार के लोगों को लूटने की कोशिश की।

आरोपियों ने घातक खंजर और फोल्डिंग चाकू दिखाकर उन्हें डराने का प्रयास किया। हालांकि, कार चालक की सूझबूझ और पास के ग्रामीणों की तत्परता के कारण आरोपी अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके और मौके से भाग निकले।

सूचना पर बेलगहना चौकी प्रभारी हेमंत सिंह ठाकुर ने टीम

गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी की और कुछ ही घंटों में दोनों आरोपियों को सिद्धान्त पाण्डेय उर्फ राज पाण्डेय व राजकुमार पोर्ते उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की बाइक, एक खंजरनुमा धारदार चाकू और एक स्टील का फोल्डिंग चाकू जब्त किया है।

हनुमान जयंती शोभायात्रा में चाकू बाजी की घटना, मामूली झड़प पर बहाया खून

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में हनुमान जयंती के अवसर पर शोभायात्रा के दौरान युवकों की भीड़ में खूनी संघर्ष हो गया। साइड में खड़े होने को लेकर मामूली विवाद पर कुछ युवकों ने मिलकर एक युवक के पेट और सिर पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल युवक को इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही उनकी तलाश में जुट गई है। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है।

चांटीडीह निवासी सन्नी श्रीवास ने बताया कि वह अपने दोस्त सूरज साहू के साथ गुरुवार की रात तोरवा मेन रोड पर शोभायात्रा देखने गया था। इस दौरान वो खड़े होकर शोभायात्रा में जीवंत झांकी देख रहा था।

इसी दौरान प्रियांशु बोले नाम के युवक वहां पहुंचा और सूरज को साइड में हटने के लिए कहा। सूरज जैसे ही किनारे हटने लगा, प्रियांशु ने 'ज्यादा अकड़ में बात कर रहा है' कहते हुए विवाद शुरू कर दिया।

बहस होने पर दोस्तों को बुलाया और मारा चाकू

विवाद बढ़ने पर प्रियांशु ने दयालबंद से अपने दोस्त साहिल सोनकर, सुरेश और वैभव को बुला लिया। चारों ने मिलकर गाली-गलौज करते हुए सूरज साहू को जान से मारने की धमकी दी। विवाद के दौरान प्रियांशु ने अपने पास रखे चाकू से सूरज के पेट, सिर और पीठ पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

सूरज खून से लथपथ होकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सन्नी ने तुरंत सिम्स अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को सूचना दी। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। पीड़ित के परिजनों की रिपोर्ट पर तोरवा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

नवविवाहिता मर्डर का पुलिस ने किया खुलासा, पति ने दी थी दर्दनाक मौत, सास ने रची झूठी कहानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के ग्राम हरदी करेलीबड़ी में एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। जिस घर में खुशियां होनी चाहिए थी, वहीं संतान न होने के ताने और विवाद ने एक मासूम जान ले ली। पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड के आरोप में मृतिका के पति और सास को गिरफ्तार कर लिया है।

साजिश का पर्दाफाश

बीते 30 मार्च को पुलिस को सूचना मिली कि एक नवविवाहिता की अचानक मौत हो गई है। ससुराल पक्ष ने इसे सामान्य मौत बताते हुए दावा किया कि बहू की जान सीने में दर्द की वजह से गई है। लेकिन जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें कुछ संदिग्ध

लगा। पुलिस ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जैसे ही रिपोर्ट आई, सबके होश उड़ गए। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि गला घोंटने से हुई मौत थी। आरोपी पति चंद्रशेखर यादव (26) और उसकी पत्नी के बीच अक्सर इस बात को लेकर झगड़ा होता था कि उनकी संतान नहीं हो रही है। घटना के दिन भी इसी बात पर विवाद इतना बढ़ा कि आपा खो चुके पति ने काले रंग की नायलॉन रस्सी से अपनी ही पत्नी का गला घोंटकर उसे मौत की नींद सुला दिया।

मृतिका की सास ने निभाई मुख्य भूमिका

इस मामले में मृतिका की सास रीना बाई यादव (46) की भूमिका भी बेहद शर्मनाक रही। बेटे द्वारा की गई हत्या को छुपाने के लिए उसने पूरे गांव और पुलिस के सामने झूठ का जाल बुना। उसने यह अफ्वाह फैलाई कि बहू की मौत अचानक तबीयत बिगड़ने और सीने में दर्द से हुई है।

पूछताछ में कबूला जुर्म

मगरलोड थाना और करेलीबड़ी चौकी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुएआरोपी पति को हिरासत में लिया, जिसने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। हत्या में इस्तेमाल की गई नायलॉन रस्सी बरामद कर ली गई है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

जंगल में हाथी के हमले से अधेड़ की मौत

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मरवाही वन मंडल अंतर्गत सिवनी बीट के डडिंया जंगल में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां महुआ बीनने गए 55 वर्षीय त्रिलोचन सिंह पर हाथी ने हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक ग्राम पंचायत पोंडी के डडिंया गांव का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, नर हाथी ने कटघोरा वन मंडल के पसान क्षेत्र से होते हुए 2 अप्रैल को मरवाही वन मंडल में प्रवेश किया था। यह हाथी विभिन्न जंगल क्षेत्रों से गुजरते हुए शुक्रवार तड़के लगभग 4 बजे डडिंयाडोंगरी जंगल पहुंचा। इसी दौरान जंगल में महुआ संग्रह कर रहे त्रिलोचन सिंह पर हाथी ने अचानक हमला कर दिया जिससे घटना स्थल में ही उनकी मौत हो गयी।

प्रमुख खबरें

आत्मसमर्पण से आत्मनिर्भरता: 32 पुनर्वासित युवाओं को मेसन किट वितरण किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की मानवीय, संवेदनशील एवं दूरदर्शी पुनर्वास नीति अब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बदलाव की नई कहानी लिख रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन लगातार ऐसे प्रयास कर रहा है, जिससे आत्मसमर्पित माओवादी युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इसी क्रम में जिला मुख्यालय सुकमा स्थित लाइवलीहुड कॉलेज में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में 32 आत्मसमर्पित युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट प्रदान की गई। कार्यक्रम कलेक्टर अमित कुमार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर ने युवाओं से संवाद कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर अमित कुमार ने कहा कि पुनर्वास केवल आत्मसमर्पण तक सीमित नहीं है। हमारा लक्ष्य है कि आप सभी को स्थायी आजीविका, आत्मनिर्भरता और समाज में सम्मान मिले। आज दी जा रही मेसन किट केवल औजार नहीं, बल्कि आपके नए जीवन की मजबूत नींव है। निर्माण कार्यों में रोजगार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। राजमिस्त्री का कार्य ऐसा कौशल है जिससे आप मेहनत और ईमानदारी के बल पर कुशल कारीगर बनकर आगे चलकर स्वरोजगार, ठेकेदारी और उद्यमिता की ओर भी बढ़ सकते हैं। मुझे विश्वास है कि आप इस अवसर का पूरा लाभ उठाएंगे और प्रशिक्षण व अनुशासन के साथ अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे। इस पहल के माध्यम से जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि पुनर्वास का अर्थ केवल मुख्यधारा में लौटना नहीं, बल्कि आत्मसम्मान के साथ जीवन को नई दिशा देना है। मेसन किट मिलने से युवाओं को निर्माण कार्यों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे, जिससे वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकेंगे।

बड़ी उपलब्धि : खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स अब हर साल छत्तीसगढ़ में

- खेल मानचित्र के केन्द्र में आया छत्तीसगढ़, प्रधानमंत्री एवं खेल मंत्री का आभार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय
- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ने खोले नए अवसरों के द्वार - उप मुख्यमंत्री अरुण साव
- समापन शामिल हुए बॉक्सर मेरीकॉम और फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडित दीनदयाल आडिटोरियम रायपुर में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 दिनों में छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर जो जोश और ऊर्जा देखने को मिली, उसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश की आदिवासी प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने और उनकी खेल क्षमता को सामने लाने का अनूठा अवसर साबित हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विजन और मार्गदर्शन के कारण छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ। साथ ही केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से छत्तीसगढ़ आज देश के खेल मानचित्र में प्रमुख स्थान पर स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि अब यह गेम्स प्रतिवर्ष छत्तीसगढ़ में आयोजित किए जाएंगे, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनजातीय समाज और खेल का रिश्ता सदियों पुराना है। तीरंदाजी, दौड़ और कुश्ती जैसे खेल जनजातीय जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। उन्होंने स्वयं के जनजातीय पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज में अपार ऊर्जा और प्रतिभा निहित है, जिसे सही मंच मिलने पर देश-विदेश में पहचान मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि देश की एकता, संस्कृति और कौशल का महाकुंभ बनकर उभरा है। देशभर के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के जनजातीय खिलाड़ियों ने इसमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह आयोजन आदिवासी युवाओं को सशक्त बनाने और खेलों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों ने केवल जीत के लिए नहीं, बल्कि साहस और उत्कृष्टता की नई कहानियां रचने के लिए प्रतिस्पर्धा की है। उन्होंने यह साबित किया है कि प्रतिभा केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं, बल्कि बस्तर, सरगुजा, झारखंड और पूर्वोत्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में भी भरपूर है।

समारोह में मुख्यमंत्री श्री साय ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले कर्नाटक, द्वितीय स्थान ओडिशा और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले झारखंड के खिलाड़ियों को बधाई दी। साथ ही छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ने कुल 19 पदक (03 स्वर्ण, 10 रजत और 06 कांस्य) हासिल किए हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि स्विमिंग में अनुष्का भगत ने 4 रजत पदक जीते, निखिल खलखो और न्यासा पैकरा ने भी पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। एथलेटिक्स में सिद्धार्थ नागेश ने स्वर्ण और रजत पदक जीते, वहीं अन्य खिलाड़ियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वेटलिफ्टिंग में निकिता ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश की बेटियों का मान बढ़ाया। बालिका वर्ग फुटबॉल टीम ने स्वर्ण और बालक वर्ग हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और समर्पण से वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने पदक विजेताओं के लिए नगद पुरस्कार की घोषणा भी की। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक के लिए 2 लाख रुपये, रजत के लिए 1.5 लाख रुपये और कांस्य के लिए 1 लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। वहीं दलीय स्पर्धाओं में स्वर्ण के लिए 1 लाख रुपये, रजत के लिए 75 हजार रुपये और कांस्य के लिए 50 हजार रुपये देने की घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री ने अंत में सभी खिलाड़ियों, कोच, आयोजन समिति, अधिकारियों और सहयोगी संस्थाओं को इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने के लिए बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ जनजातीय खेलों का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत उन्हें ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक अवश्य पहुंचाएगी।

समापन समारोह में उपमुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि पूरे देश के जनजातीय खिलाड़ियों ने इस खेल महाकुंभ में उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। उन्होंने बताया कि यह पहला अवसर है जब इस स्तर पर ट्राइबल गेम्स का आयोजन किया गया, जिससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिला।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में यह आयोजन संभव हो पाया।श्री साव ने कहा कि राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के आगमन से लेकर प्रतियोगिता के दौरान आवास, भोजन और अन्य सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की। साथ ही छत्तीसगढ़ की संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव कराने का भी प्रयास किया गया। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह आयोजन और अधिक भव्य रूप में आयोजित होगा। उन्होंने पदक तालिका में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को बधाई दी तथा छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी सराहना की।

इस अवसर पर मुख्य सचिव विकास शील ने सभी खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में देशभर के 2000 से अधिक जनजातीय खिलाड़ी एवं अधिकारियों ने भाग लिया, जिससे यह प्रतियोगिता एक राष्ट्रीय स्तर का महत्वपूर्ण मंच बन गई।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जनजातीय प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। यह मंच खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का अवसर देता है।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर मेरीकॉम और फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया भी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही केबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव विक्रम सिसोदिया, छत्तीसगढ़ राज्य तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार साहू, छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, रायपुर कमिश्नर संजीव शुक्ला, जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में देश भर से आए खिलाड़ी उपस्थित थे।

खिलाड़ी मालामाल

व्यक्तिगत और दलीय स्पर्धाओं के लिए नगद पुरस्कारों की घोषणा

व्यक्तिगत स्पर्धाएं

स्वर्ण पदक - 2 लाख रुपये
रजत पदक - 1.5 लाख रु.
कांस्य पदक - 1 लाख रु.

दलीय स्पर्धाएं

स्वर्ण पदक - 1 लाख रुपये
रजत पदक - 75 हजार
कांस्य पदक - 50 हजार

फुटबॉल में राष्ट्रीय स्तर पर उभरा छत्तीसगढ़ ; फायनल में पश्चिम बंगाल से कड़ा मुकाबला, एक गोल से मिली हार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत रायपुर के स्वामी विवेकानंद एथलेटिक स्टेडियम, कोटा में खेले गए पुरुष फुटबॉल के फाइनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के बीच बेहद रोमांचक और कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में छत्तीसगढ़ को पराजय का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह भी अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि रही।

फाइनल मैच में दोनों टीमों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार तालमेल, तेज आक्रमण और मजबूत रक्षापंक्ति का परिचय दिया। खिलाड़ियों ने पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए हर पल मुकाबले को संतुलित बनाए रखा। हॉफ टाइम तक पश्चिम बंगाल की टीम 1-0 की बढ़त बनाए हुए थी। छत्तीसगढ़ ने लगातार आक्रमण कर गोल उतारने की भरपूर कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, विभिन्न विभागों तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारी और खेलप्रेमी बड़ी संख्या में फाइनल मैच देखने के लिए मैदान में पहुंचे थे।

रात में मछुवारा दिन में एथलीट, गड्ढों को लांघकर किया अभ्यास, खेलो इंडिया में 7.3 मीटर लंबा कूदकर जीता स्वर्ण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अब्दुल फताह ज़्यादातर रातों को समुद्र में होते हैं, जहां वे मछुआरे बनकर अपने परिवार की रोज़ी-रोटी कमाने में मदद करते हैं। जैसे ही सुबह होती है, वे सीधे ट्रेनिंग ग्राउंड की ओर निकल पड़ते हैं और एक एक अलग सपने का पीछा करते हुए लक्षद्वीप को 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' 2026 में पहला मेडल दिलाया।

कवरत्ती और कदमत द्वीपों के बीच स्थित, दूरदराज के अमीनी द्वीप जो लगभग 2.7 किमी लंबा और 1.2 किमी चौड़ा है, और जिसका कुल भू-क्षेत्रफल 2.60 वर्ग किमी है के 18 वर्षीय लॉन्ग जम्पर ने जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर मैदान में 7.03 मीटर की अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। यह इस छोटे से केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था।

केंद्र शासित प्रदेश के खेल अधिकारी अहमद जावेद हसन ने मुस्कुराते हुए कहा, वह लक्षद्वीप के पहले ऐसे एथलीट हैं जिन्होंने 7 मीटर की दूरी पार की है और यह वाकई एक खास बात है।'

मछुआरे परिवार में जन्मे फताह भाई-बहनों में सबसे बड़े हैं और घर की बड़ी जिम्मेदारी संभालते हैं। 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद, उन्हें पढ़ाई बीच में ही रोकनी पड़ी। उन्होंने अपने पिता के पारिवारिक व्यवसाय में हाथ बँटाने और खेल को अपने जुनून के तौर पर अपनाने का फैसला किया। फताह ने कहा, 'कोई और चारा नहीं है, आपको संतुलन बनाना ही पड़ता है। जब मैं स्कूल में था, तभी से मैं अपने पिता की मछली पकड़ने के काम में मदद करता आ रहा हूँ। यही हमारी आमदनी का एकमात्र जरिया है। हमारे परिवार में छह लोग हैं। सुबह मैं अपनी ट्रेनिंग के लिए जाता हूँ; मेरे परिवार को इस बारे में पता है, भले ही वे इस खेल के बारे में बहुत कम समझते हों।'

फताह शुरू में द्वीप के दूसरे युवाओं की तरह फुटबॉल ही खेलते थे। कुछ साल पहले एक स्थानीय इंटर-आइलैंड प्रतियोगिता के दौरान इसमें एक अहम मोड़ आया। कोच मोहम्मद कासिम ने उसकी दौड़ने की काबिलियत को पहचाना और एथलेटिक्स में आने का सुझाव दिया। तब से, फताह ने लॉन्ग जंप और 100-मीटर स्प्रिंट में ट्रेनिंग शुरू कर दी। अमिनी एथलेटिक्स एसोसिएशन का गठन हुआ तो खेलों के विकास को एक सही ढाँचा मिला। फताह और कई अन्य युवा एथलीटों को व्यवस्थित ट्रेनिंग करने मिली। दो साल में, एसोसिएशन ने 384 एथलीटों को तैयार किया। इनमें से 17 एथलीटों को लक्षद्वीप का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था।

गढ़पहाड़ की गुफाओं में झलकती है प्रागैतिहासिक सभ्यता की अनूठी विरासत, यहां संरक्षित हैं मध्य पाषाण काल की मानव, पशु और ज्यामितीय आकृतियां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध जशपुर जिला अब अपनी समृद्ध पुरातात्विक धरोहर के कारण भी विशेष पहचान बना रहा है। जिले से लगभग 30 किलोमीटर दूर मनोरा विकासखंड के ग्राम जयमरगा स्थित गढ़पहाड़ की गुफा में मिले आदिमकालीन शैलचित्र प्रागैतिहासिक मानव जीवन की महत्वपूर्ण झलक प्रस्तुत करते हैं। यह स्थल न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी अत्यंत आकर्षक बनता जा रहा है।

ग्राम पंचायत डड़गांव के आश्रित ग्राम जयमरगा की आबादी लगभग 1400 है और यहां तक सड़क मार्ग से सहज पहुंचा जा सकता है। गांव से लगभग 300 मीटर ऊँची पहाड़ी पर चढ़ाई करने

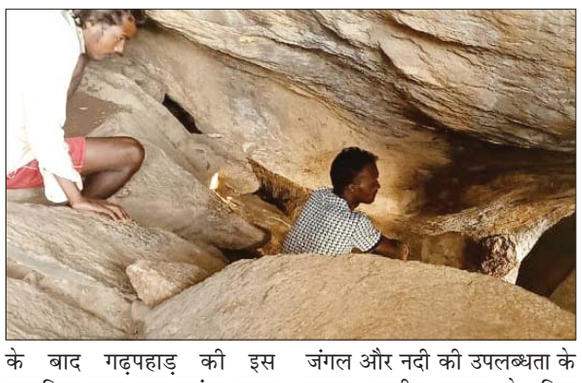

के बाद गढ़पहाड़ की इस प्राकृतिक गुफा तक पहुंचा जाता है। घने जंगलों के बीच स्थित यह गुफा आज भी स्थानीय ग्रामीणों के लिए आस्था का केंद्र है, जहां वे पूजा-अर्चना करते हैं।

पुरातत्त्ववेत्ता डॉ. अंशुमाला तिर्की एवं बालेश्वर कुमार बेसरा के अनुसार, जयमरगा क्षेत्र प्रागैतिहासिक स्थलों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। यहां पहाड़, जंगल और नदी की उपलब्धता के कारण प्राचीन मानव के लिए भोजन, पानी और आश्रय की समुचित व्यवस्था रही होगी। इसी कारण यह क्षेत्र आदिमानवों के निवास का प्रमुख केंद्र रहा प्रतीत होता है।

गुफा में प्राप्त शैलचित्र मध्य पाषाण काल से संबंधित माने जा रहे हैं। इन चित्रों में मानव आकृतियों के साथ-साथ पशु आकृतियाँ, ज्यामितीय आकृतियाँ तथा कुछ रहस्यमयी आकृतियाँ भी अंकित हैं। लाल एवं सफेद रंगों से बनाए गए ये चित्र उस समय की कलात्मक अभिव्यक्ति और जीवन शैली को दर्शाते हैं। विशेष रूप से बैल, तेंदुआ, हिरण और मानव

विशेषज्ञों के अनुसार, यह गुफा संभवत: प्राचीन काल में पहरेदारी स्थल के रूप में प्रयुक्त होती रही होगी, जहां से शिकारी वन्यजीवों पर नजर रखते थे। यहां हेमाटाइट पत्थर की उपलब्धता भी पाई गई है, जिसका उपयोग रंग बनाने में किया जाता था। इसके अतिरिक्त, स्थल से माइक्रोलिथिक उपकरण जैसे लुनैट, स्क्रैपर, पॉइंट, ट्रैपेज, साइड स्क्रैपर और ब्लेड भी प्राप्त हुए हैं, जो उस समय के मानव द्वारा शिकार एवं दैनिक कार्यों में उपयोग किए जाते थे।

॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥

श्री गुजराती ब्रह्म समाज महिला मंडल

द्वारा

भव्य सामूहिक रांदल पूजा आयोजन

05 अप्रैल 2026

दया भवन, एफ.सी.आई. गोडाउन के सामने, न्यू टिम्बर मार्केट, त्रिमूर्ति नगर, रायपुर

गुजराती ब्रह्म समाज महिला मंडल रायपुर द्वारा आगामी 5 अप्रैल को सूर्य देव की पत्नी रवि रांदल माताजी का भव्य पूजन का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष प्रेरणा भट्ट उपाध्यक्ष अलका व्यास, ज्योति दवे सचिव दीपा पंड्या जयश्री जोशी कोषाध्यक्ष हेतल व्यास ने बताया कि 201 माताजी की स्थापना होगी और 1400 सुहागिनों के पैर धो कर पूजन होगा। इला भट्ट, सुधा जोशी, सुशीला जोशी कार्यकारिणी सदस्य संगीता मेहता, श्वेता व्यास, दर्शना पंड्या, डॉ अंकिता, डॉ योगिनी, मैत्री, अवनी, देविका, योगेश्वरी नम्रता, तृप्ति, गुंजन अंजू, फाल्गुनी, सभी सदस्य बहुत लगन से इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यरत है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950